Dainik Samarat | जयपुर | शनिवार, 4 जुलाई, 2026 | आषाढ़ कृष्ण पक्ष चतुर्थी विक्रम संवत - 2083 | मूल्य : 2 रुपए | पृष्ठ : 08 | वर्ष : 01 | अंक : 302

आप पढ़ रहे हैं निष्पक्ष, निर्भीक, निडर समाचार पत्र

दैनिक सम्राट

www.dainiksamrat.in

@pg-7

प्रधानमंत्री मोदी करेंगे एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी का लोकार्पण, जयपुर मेट्रो फेज-2 का शिलान्यास

'राजस्थान को विकास की दोहरी सौगात'

आज राजस्थान लिखेगा इतिहास में नया अध्याय

79,459 करोड़ की रिफाइनरी से ऊर्जा क्षेत्र को मिलेगी नई ताकत

13,037 करोड़ की मेट्रो परियोजना से बदलेगी राजधानी की परिवहन व्यवस्था

दैनिक सम्राट संवाददाता

जयपुर/बालोतरा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज बालोतरा जिले के पचपदरा से राजस्थान को विकास की दो ऐतिहासिक सौगात देंगे। प्रधानमंत्री देश की पहली ग्रीनफील्ड एकीकृत रिफाइनरी-सह-पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी का राष्ट्र को समर्पण करेंगे। इसी समारोह में वे जयपुर मेट्रो रेल परियोजना फेज-2 का शिलान्यास भी करेंगे। ऊर्जा और शहरी परिवहन से जुड़ी इन दोनों महत्वाकांक्षी परियोजनाओं को राजस्थान के औद्योगिक विकास, रोजगार सृजन, निवेश और आधुनिक आधारभूत ढांचे की दिशा में मील का पत्थर माना जा रहा है। इन परियोजनाओं से न केवल प्रदेश बल्कि पूरे देश की अर्थव्यवस्था और औद्योगिक क्षमता को भी नई मजबूती मिलेगी।

पहली ग्रीनफील्ड रिफाइनरी बनेगी ऊर्जा क्षेत्र की नई ताकत

करीब 79,459 करोड़ रुपये की लागत से विकसित एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी देश की पहली ग्रीनफील्ड एकीकृत रिफाइनरी-सह-पेट्रोकेमिकल परियोजना है। हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) और राजस्थान सरकार के संयुक्त उपक्रम के रूप में विकसित इस परियोजना की क्षमता 9 मिलियन मीट्रिक टन प्रतिवर्ष (एमएमटीपीए) है। इसके साथ 2.4 एमएमटीपीए पेट्रोकेमिकल उत्पादन क्षमता भी विकसित की गई है, जिससे रिफाइनिंग और पेट्रोकेमिकल उत्पादन को एकीकृत किया गया है। रिफाइनरी में पेट्रोल, डीजल, एविएशन टरबाइन फ्यूल (एटीएफ) सहित विभिन्न पेट्रोलियम उत्पादों का उत्पादन प्रारंभ हो चुका है। राजस्थान के स्थानीय कच्चे तेल और आयातित क्रूड के मिश्रण को प्रोसेस करने के लिए तैयार की गई यह रिफाइनरी अत्याधुनिक तकनीक से लैस है। इसका नेल्सन कॉम्प्लेक्सिटी इंडेक्स 17.0 है, जो इसे दुनिया की सबसे आधुनिक और उच्च दक्षता वाली रिफाइनरियों में शामिल करता है। यहां पेट्रोकेमिकल उत्पादन का अनुपात 26 प्रतिशत से अधिक है, जो वैश्विक मानकों के अनुरूप है। यह परियोजना भारत की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने के साथ पेट्रोकेमिकल क्षेत्र में आत्मनिर्भरता बढ़ाने की दिशा में भी अहम भूमिका निभाएगी। साथ ही यह प्रदेश में प्रस्तावित पेट्रोकेमिकल एवं प्लास्टिक पार्कों के विकास की आधारशिला बनेगी।

इस परियोजना ने इंजीनियरिंग के कई नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। लगभग डेढ़ करोड़ घन मीटर मिट्टी हटाई गई, जो गीजा के पिरामिड से छह गुना अधिक है। करीब 16 लाख घन मीटर कंक्रीट का उपयोग बुर्ज खलीफा से पांच गुना अधिक हुआ, जबकि लगभग तीन लाख मीट्रिक टन स्टील का इस्तेमाल एफिल टॉवर से 40 गुना ज्यादा है। परियोजना में 28 हजार किलोमीटर लंबी केबल बिछाई गई है और 125 मीटर ऊंचा कोक डोम इसकी विशेष पहचान है। निर्माण कार्य के दौरान करीब 35 हजार लोगों को प्रत्यक्ष तथा लगभग एक लाख लोगों को अप्रत्यक्ष रोजगार मिला, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी बड़ा लाभ हुआ।

औद्योगिक विकास, रोजगार और परिवहन को मिलेगा नया आयाम

जयपुर मेट्रो फेज-2 के पूरा होने के बाद राजधानी में मल्टी-मॉडल ट्रांसपोर्ट सिस्टम को मजबूती मिलेगी। एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशन और सिंधी कैंप बस स्टैंड जैसे प्रमुख परिवहन केंद्र मेट्रो नेटवर्क से सीधे जुड़ जाएंगे। इसके अलावा चाकसू और चौमूं जैसे आसपास के कस्बों को भी प्रहलादपुरा और टोड़ी मेट्रो स्टेशनों से बस सेवा के माध्यम से जोड़ने की योजना है, जिससे ग्रामीण और अर्द्धशहरी क्षेत्रों के लोगों को भी बेहतर परिवहन सुविधा उपलब्ध होगी। वर्तमान में जयपुर मेट्रो के पहले चरण में मानसरोवर से बड़ी चौपड़ तक 11.64 किलोमीटर लंबे मार्ग पर प्रतिदिन लगभग 50 हजार यात्री सफर करते हैं। फेज-2 के पूरा होने के बाद यह संख्या बढ़कर लगभग 2.5 लाख प्रतिदिन होने का अनुमान है, जबकि भविष्य में चार लाख से अधिक यात्रियों के प्रतिदिन सफर करने की संभावना जताई गई है। इससे सड़क यातायात का दबाव कम होगा, प्रदूषण में कमी आएगी और लोगों को तेज, सुरक्षित तथा सुविधाजनक सार्वजनिक परिवहन उपलब्ध होगा। पचपदरा से होने वाला यह कार्यक्रम राजस्थान के विकास के लिए एक ऐतिहासिक अवसर माना जा रहा है।

जयपुर मेट्रो फेज-2 से बदलेगी राजधानी की तस्वीर

रिफाइनरी के लोकार्पण समारोह में ही प्रधानमंत्री जयपुर मेट्रो रेल परियोजना फेज-2 का शिलान्यास करेंगे। करीब 13,037 करोड़ रुपये की लागत वाली यह परियोजना राजधानी जयपुर की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था में बड़ा बदलाव लाएगी। इसके तहत प्रहलादपुरा से टोड़ी मोड़ तक 41 किलोमीटर लंबा उत्तर-दक्षिण मेट्रो कॉरिडोर विकसित किया जाएगा, जिसमें 36 स्टेशन होंगे। यह कॉरिडोर सीतापुरा औद्योगिक क्षेत्र, वीकेआई, जयपुर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, टोंक रोड, एसएमएस अस्पताल, रेलवे स्टेशन, कलेक्ट्रेट, अंबाबाड़ी और विद्याधर नगर जैसे प्रमुख क्षेत्रों को सीधे जोड़ेगा। एयरपोर्ट क्षेत्र में भूमिगत स्टेशन भी बनाए जाएंगे, जिससे यात्रियों को निर्बाध और आधुनिक परिवहन सुविधा मिल सकेगी। परियोजना का पहला चरण पहले ही शुरू हो चुका है। 918.04 करोड़ रुपए की लागत वाले पहले पैकेज के लिए स्वीकृति पत्र (एलओए) जारी किया जा चुका है। इसके तहत प्रहलादपुरा से पिंजरापोल गोशाला तक 12 किलोमीटर लंबे एलिवेटेड कॉरिडोर तथा 10 एलिवेटेड स्टेशनों का निर्माण किया जाएगा।

रिफाइनरी से बदलेगी राजस्थान की तस्वीर और तकदीरः सीएम भजनलाल

मुख्यमंत्री ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश, पचपदरा के मंडापुरा में एचपीसीएल के नए फ्लैगशिप रिटेल आउटलेट का किया उद्घाटन

दैनिक सम्राट संवाददाता

बालोतरा/जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को पचपदरा के मंडापुरा में एचपीसीएल के नए फ्लैगशिप रिटेल आउटलेट का उद्घाटन किया। साथ ही, उन्होंने पीपल का पौधा लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस दौरान राजस्थान के सभी एचपीसीएल आउटलेट्स पर 10 हजार पौधे लगाए गए।

मुख्यमंत्री ने नए फ्लैगशिप रिटेल आउटलेट पर फूड प्लाजा सुविधा भी आमजन को समर्पित की। इस दौरान एचपीसीएल प्रतिनिधियों ने बताया कि इस आउटलेट का निर्माण राजस्थानी थीम पर किया गया है। मुख्यमंत्री ने मीडिया से बातचीत में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को राजस्थान की तकदीर और तस्वीर बदलने वाली एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी का उद्घाटन करेंगे। यह रिफाइनरी प्रदेश के साथ-साथ देश की ईंधन क्षमता को सुदृढ़ करने में अहम भूमिका निभाएगी।

इस अवसर पर केन्द्रीय संस्कृति तथा पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, पशुपालन एवं डेयरी मंत्री जोराराम कुमावत, संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, उद्योग एवं वाणिज्य राज्यमंत्री के के विश्नोई, सांसद मदन राठौड़, विधायक अरूण चौधरी, हमीर सिंह भायल, डॉ. प्रियंका चौधरी, मुख्य सचिव वी श्रीनिवास, पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा, एचपीसीएल सीएमडी विकास कौशल, विभिन्न विभागों के उच्चाधिकारियों सहित स्थानीय जनप्रतिनिधिगण एवं एचपीसीएल के अधिकारी उपस्थित रहे।

न्यूज बॉक्स

चलते ई-रिक्शा को बंद करने वाले चाइनीज एप बैन

दैनिक सम्राट संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली समेत कई शहरों में ई-रिक्शा चालकों के लिए परेशानी बने 7 एप को सरकार ने एप स्टोर से हटाने के आदेश दिए हैं। इनमें बीएटी-बीएमएस, स्मार्ट बीएमएस, लॉसिजी और इपोच ली-आयन शामिल हैं। आईटी मंत्रालय ने इसकी जानकारी शुक्रवार को दी। हालांकि, ये एप प्ले स्टोर पर अब भी मौजूद हैं।

हाल ही में शिकायतें मिली थीं कि कुछ लोग इन एप से ब्लूटूथ के जरिए ई-रिक्शा की बैटरी को बंद कर चलते ई-रिक्शा को रोक देते थे। इससे चालकों को काफी परेशानी हो रही थी। इन घटनाओं के वीडियो भी वायरल हुए।

दरअसल, कुछ ई-रिक्शा की लीथियम बैटरियों का ब्लूटूथ मैनेजमेंट सिस्टम बिना पासवर्ड या कमजोर सुरक्षा के था, इसलिए एप उससे कनेक्ट हो गया। हालांकि, कारों के बैटरी सिस्टम में मजबूत सुरक्षा और एन्क्रिप्शन होता है, इसलिए कोई सामान्य एप उनसे कनेक्ट नहीं हो सकता।

आईटी सेक्रेटरी ने की पुष्टि

इस मामले में कार्रवाई की पुष्टि करते हुए कृष्णन ने कहा, यह सच है... कुछ ऐप हैं जिनके बारे में हमें कल पता चला और उन दोनों को ऐप स्टोर से हटा दिया गया है। उन्होंने यह पुष्टि सीआईआई साइबर सिक्योरिटी समिट के दौरान की।

क्या है पूरा मामला?

यह मामला गुरुवार को तब चर्चा में आया जब ऐसी खबरें सामने आईं कि चीनी स्मार्टफोन ऐप बीएटी-बीएमएस से जुड़े रिमोट शटडाउन फीचर के जरिए कुछ ई-रिक्शा को दूर से ही रोका जा रहा था।

राममंदिर दानपात्र चोरी पर पहली बार सामने आया आरएसएस

'जो भी दोषी पाया जाए, उसे कड़ी सजा मिले'

दैनिक सम्राट संवाददाता

नई दिल्ली। अयोध्या में श्री राम लला मंदिर में रखे दान-पात्रों से चोरी के मुद्दे पर आरएसएस का पहला बयान आया है। संगठन के महासचिव दत्तात्रेय होसबोले ने कहा है कि जांच में जो कोई भी दोषी पाया जाए, उसे कड़ी सजा मिले।

होसबोले ने कहा, अयोध्या में श्री राम लला मंदिर में रखे दान-पात्रों से चोरी की दुर्भाग्यपूर्ण घटना ने पूरे समाज और राम भक्तों की भावनाओं और श्रद्धा को आहत किया है, और हम सभी इस घटना से दुखी हैं।

दोषियों को मिले कड़ी सजा

उन्होंने आगे कहा, श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के विशेष अनुरोध पर उत्तर प्रदेश सरकार ने एक विशेष जांच दल का गठन किया है और उसकी सिफारिशों के आधार पर कानूनी कार्रवाई शुरू की है। यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि जांच में जो भी दोषी पाया जाए, उसे कड़ी सजा मिले।

इसके साथ ही उन्होंने अपील करते हुए कहा, ट्रस्ट स्वाभाविक रूप से आरएसएस और पूरे हिंदू समाज की ओर से यह उम्मीद करता है कि इस बेहद निंदनीय घटना को एक अपवाद माना जाए और व्यवस्था व कामकाज में मौजूद सभी कमियों को दूर करने के लिए पूरी गंभीरता से प्रभावी कदम उठाए जाएं। उन्होंने आगे कहा, मौजूदा उलझन और अनिश्चितता खत्म होनी चाहिए। इस नजरिए से हमारी उम्मीद है कि मंदिर प्रबंधन और प्रशासन द्वारा बनाई गई विशेष जांच टीम सभी जरूरी कदम उठाएगी।

टीएमसी हेडक्वार्टर पर बागी गुट का कब्जा

दैनिक सम्राट संवाददाता

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के बागी गुट ने शुक्रवार को कोलकाता स्थित पार्टी हेडक्वार्टर पर कब्जा कर लिया। ऋतब्रत बनर्जी के नेतृत्व में गुट ने दफ्तर के ताले बदल दिए और नए पोस्टर लगाए। नए पोस्टर्स में ममता बनर्जी की तस्वीर नहीं थी। हालांकि, अंदर लगी उनकी तस्वीर और कटआउट को नहीं हटाया गया।

ऋतब्रत बनर्जी ने समर्थकों-नेताओं के साथ मुख्यालय में बैठक कर खुद को असली तृणमूल कांग्रेस बताया। उन्होंने कहा कि अब पार्टी का काम यहीं से चलेगा। एक दिन पहले गुरुवार को उनके गुट ने चुनाव आयोग में पार्टी के नाम, चुनाव चिह्न और संगठन पर दावा पेश किया था।

विधानसभा चुनाव में हार के बाद 3 जून को टीएमसी के 80 में से 58 विधायक ममता बनर्जी के नेतृत्व से अलग हो गए थे। 22 जून को हुई प्रतिनिधि बैठक में नए अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और 30 सदस्यीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी का गठन किया गया था। ममता बनर्जी समर्थक गुट के वरिष्ठ नेता कुनाल घोष कार्यालय पहुंचे, लेकिन गेट पर ताला लगे होने के कारण अंदर नहीं जा सके। उन्होंने कहा कि जो लोग ये दावा कर रहे हैं, वे निर्दलीय चुनाव जीतकर नहीं आए थे। कार्यालय पर कब्जा राज्य प्रशासन और पुलिस की सहमति से किया गया है।

आतंक के खिलाफ एटीएस को मिली बड़ी कामयाबी

जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े 8 संदिग्ध आतंकियो को धर-धबोचा एटीएस ने

दैनिक सम्राट संवाददाता

नई दिल्ली। गुजरात एटीएस को बड़ी कामयाबी मिली है। शुक्रवार को गुजरात और मध्य प्रदेश के अलग-अलग जिलों से प्रतिबंधित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े आठ आतंकियों को गिरफ्तार किया गया है। वे गुजरात में अपनी आतंकी गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए जैश-ए-मोहम्मद का एक सक्रिय नेटवर्क बनाने पर काम कर रहे थे। गुजरात एटीएस के अनुसार, सभी 8 आरोपियों के खिलाफ यूएपीए की धाराओं 13, 17, 18, 38, 39 और बीएनएस की धाराओं 148, 61 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

बड़े आतंकी नेटवर्क को कर रहे थे तैयार

अधिकारियों ने बताया कि यह संगठन पर नए सदस्य बनाने, चरमपंथी विचारधारा फैलाने और आतंकी गतिविधियों के लिए सपोर्ट नेटवर्क तैयार करने का काम कर रहा था। ये आरोपी गुजरात के बनासकांठा, पाटन और नवसारी जिलों और मध्य प्रदेश के देवास के रहने वाले हैं।

एटीएस ने बताया कि इनमें से तीन लोग सिद्धपुर और चिखली के मदरसों से भी जुड़े थे। जांचकर्ताओं का आरोप है कि यह संगठन अपने ऑपरेशनल नेटवर्क को मजबूत करके गुजरात में एक संगठित जेईएम मॉड्यूल बनाने की कोशिश कर रहा था। शक है कि यह मॉड्यूल गुजरात और भारत के अन्य हिस्सों में आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने की तैयारी कर रहा था।

गिरफ्तारियों के बाद, एटीएस ने 'गैर-कानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम' के तहत एफआईआर दर्ज की। इसके साथ ही, भारत सरकार के खिलाफ युद्ध छेड़ने और आपराधिक साजिश से जुड़ी भारतीय न्याय संहिता की धाराओं को भी इसमें शामिल किया गया है। इस ग्रुप के संपर्कों, फंडिंग के स्रोतों, लोगों को भर्ती करने की कोशिशों और कथित आतंकी नेटवर्क से जुड़ी किसी भी बड़ी साजिश का पता लगाने के लिए आगे की जांच चल रही है।

पहले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था

गुजरात के एटीएस डीआईजी सुनील जोशी ने बताया कि पहले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया और बाद में छह अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों के पास से काफी साहित्य और झंडे भी बरामद हुए। आरोपियों से जब्त मोबाइल फोन से काफी जानकारियां मिली हैं।

पाकिस्तान के अब्दुल्ला साहब नाम के हैंडलर के संपर्क में थे

डीआईजी सुनील जोशी ने आगे बताया कि सभी सोशल मीडिया के जरिए पाकिस्तान के अब्दुल्ला साहब नाम के एक हैंडलर के संपर्क में थे। हैंडलर के इशारे पर ही गुजरात में मजबूत नेटवर्क खड़ा करने कोशिशों में लगे हुए थे। इन्हें एक शख्स के जरिए 3 लाख रुपए भी मिले थे। ये गुजरात में पाटन के एक मदरसे में रह रहे थे। मदरसे से साहित्य और कुछ पर्चे भी जब्त किए गए हैं।

52000 करोड़ की डिफेंस डील को मंजूरी, आर्मी में आकाश तरंग, कामिकाजे ड्रोन समेत कई हाईटेक हथियार शामिल होंगे

बढ़ेगी भारतीय सेना की युद्ध क्षमता, अत्याधुनिक हथियार शामिल

दैनिक सम्राट संवाददाता

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में शुक्रवार को रक्षा अधिग्रहण परिषद की बैठक हुई। इसमें भारतीय सेना की युद्ध क्षमता बढ़ाने के लिए करीब 52,000 करोड़ रुपए के खरीद प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। इन प्रस्तावों में आर्मी, नेवी और एयरफोर्स के लिए कई अत्याधुनिक हथियार और डिफेंस सिस्टम शामिल हैं। सेना के लिए आकाश तरंग एंटी-ड्रोन इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर सिस्टम,

मैन पोर्टेबल एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल, मीडियम रेंज सरफेस-टू-एयर मिसाइल, वेरी शॉर्ट रेंज एयर डिफेंस सिस्टम, टैंकों के लिए एक्टिव प्रोटेक्शन सिस्टम और जेट आधारित कामिकाजे ड्रोन सिस्टम की खरीद को मंजूरी मिली है।

ड्रोन हमलों से प्रभावी सुरक्षा देगा आकाश तरंग

रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, आकाश तरंग सेना के कई फॉर्मेशन को ड्रोन हमलों से प्रभावी सुरक्षा देगा। दुश्मन के बख्तरबंद वाहनों से मुकाबले में पैदल सेना की क्षमता बढ़ाएगी। मध्यम दूरी से आने वाले हवाई खतरों से सुरक्षा प्रदान करेगी, जबकि मल्टी-स्पेक्ट्रल सेंसर के जरिए कम दूरी की वायु रक्षा को और मजबूत बनाएगा।

14.50 किलो वजन और 4.3 फीट है लंबाई

एमपीएटीजीएम हथियार प्रणाली का वजन 14.50 किलोग्राम है और लंबाई 4.3 फीट है। इसे दागने के लिए 2 लोगों की जरूरत होती है। इसकी रेंज 200 मीटर से लेकर 2.50 किलोमीटर है। इसमें टैंडम चार्ज हीट और पेनेट्रेशन वॉरहेड लगा सकते हैं। भारत स्वदेशी कामिकाजे ड्रोन बना रहा है। यह ड्रोन 1,000 किलोमीटर तक उड़ान भर सकेगा।

दुश्मन के जहाजों को निशाना बनाएगी एमआईजीएम

भारतीय नौसेना के लिए मल्टी इन्फ्लुएंस ग्राउंड माइन, नेवल शिपबोर्न अनमैन्ड एरियल सिस्टम और इलेक्ट्रिक प्रोपल्शन सिस्टम खरीदने की मंजूरी दी गई है। मंत्रालय के मुताबिक, एमआईजीएम दुश्मन की समुद्री गतिविधियों पर रोक लगाने में मदद करेगा, जबकि एनएसयूएएस उन्नत सेंसर के जरिए नौसेना की निगरानी क्षमता बढ़ाएगा। नौसेना और रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन ने पिछले साल (5 मई, 2025) देश में ही बनी मल्टी-इंफ्लुएंस ग्राउंड माइन का सफल परीक्षण किया है। इस परीक्षण में कम विस्फोटक सामग्री का उपयोग किया गया, ताकि सुरक्षा मानकों का ध्यान रखा जा सके। यह माइन समुद्र के नीचे दुश्मन के जहाजों को निशाना बनाने में सक्षम है। इसे भारत में पहली बार पूरी तरह स्वदेशी तकनीक से बनाया गया है।

विवाह की वर्षगांठ बनी हरित उत्सव, दम्पत्ति ने पौधारोपण कर दिया भारतीय संस्कृति का संदेश

पाश्चात्य दिखावे से दूर रहकर जन्मदिन, विवाह वर्षगांठ, जयंती व पुण्यतिथि पर वृक्ष लगाने का किया आह्वान

दैनिक सम्राट संवाददाता

जमवारामगढ़ (अंकिता शर्मा)। आधुनिक दौर में जहां जन्मदिन और विवाह वर्षगांठ जैसे विशेष अवसरों पर महंगे आयोजनों और पाश्चात्य संस्कृति से प्रभावित होकर अनावश्यक खर्च करने की प्रवृत्ति बढ़ रही है, वहीं आईएएस डॉ. हर सहाय मीणा एवं पंचायत समिति सदस्य सुमन मीणा ने अपनी 28वीं विवाह वर्षगांठ को प्रकृति के नाम समर्पित कर समाज के सामने प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत किया। दम्पत्ति ने देवड़वाल गोत्र की कुलदेवी चावण्ड माता मंदिर परिसर, मानोता में आम, अमरूद एवं जामुन के फलदार पौधे लगाकर भारतीय संस्कृति में प्रकृति पूजन और पर्यावरण संरक्षण की परम्परा को सशक्त संदेश दिया।भारतीय सभ्यता में वृक्षों को केवल पेड़-पौधे नहीं, बल्कि जीवनदाता और देवतुल्य माना गया है। पीपल, बरगद, नीम, तुलसी सहित अनेक वृक्षों की पूजा-अर्चना की परम्परा सदियों से चली आ रही है। इसी सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाते हुए दम्पत्ति ने विवाह वर्षगांठ को पौधारोपण के माध्यम से मनाने का संदेश दिया।

इस अवसर पर डॉ. हर सहाय मीणा ने कहा कि जीवन के प्रत्येक विशेष अवसर—चाहे जन्मदिन हो, विवाह वर्षगांठ, जयंती या पुण्यतिथि को वृक्षारोपण के साथ मनाया जाए तो आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ पर्यावरण और हरियाली की अमूल्य धरोहर मिल सकती है। उन्होंने कहा कि पेड़ लगाओ, जीवन बचाओ केवल अभियान नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति हमारा नैतिक दायित्व है। पंचायत समिति सदस्य सुमन मीणा ने बताया कि वे प्रतिवर्ष 5 जून से 10 सितम्बर तक पेड़ लगाओ, पेड़ बचाओ अभियान चलाकर वृक्षारोपण एवं पौधों का वितरण करते हैं।

अभियान के माध्यम से लोगों को प्रेरित किया जाता है कि जन्मदिन, विवाह वर्षगांठ, जयंती और पुण्यतिथि जैसे अवसरों पर केक, आतिशबाजी और दिखावे पर खर्च करने की बजाय एक पौधा अवश्य लगाएं तथा उसकी देखभाल का संकल्प लें।उन्होंने बताया कि विवाह वर्षगांठ के अवसर पर कुलदेवी चावण्ड माता तथा कुल देवता नायल भौमिया बाबा, क्यारा-झोल के दर्शन एवं पूजा-अर्चना के पश्चात फलदार पौधों का रोपण किया गया, जिससे धार्मिक आस्था और पर्यावरण संरक्षण का सुंदर संगम देखने को मिला। कार्यक्रम में तहसीलदार चन्द्र सिंह डोडा, पटवारी मुकेश मीणा, शंभुदयाल डोडा, खेमचंद झोल, देवेन्द्र देवड़वाल सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

इनका कहना है: यदि समाज का प्रत्येक परिवार जन्मदिन, विवाह वर्षगांठ, जयंती और पुण्यतिथि जैसे विशेष अवसरों पर एक-एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल का संकल्प ले, तो यह भारतीय संस्कृति के प्रकृति संरक्षण के मूल भाव को साकार करने के साथ पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी एक बड़ा जनआंदोलन बन सकता है।

-डॉ. हरसहाय मीना, आईएएस, निवासी - कानडियावाला, जमवारामगढ़

मां वैष्णो नगर विकास समिति की अहम बैठक सम्पन्न, सुरेश कुमार परमार चौथी बार अध्यक्ष निर्वाचित

दैनिक सम्राट संवाददाता

जयपुर (हंसराज लाखीवाल)। गांधी पथ पश्चिम स्थित लालरपुरा में मां वैष्णो नगर विकास समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने सर्वसम्मति से समाजहित एवं क्षेत्र के विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की।

बैठक के दौरान सर्वसम्मति से सुरेश कुमार परमार को लगातार चौथी बार समिति का अध्यक्ष चुना गया। उनकी पुनः नियुक्ति पर उपस्थित सदस्यों ने हर्ष व्यक्त करते हुए विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में समिति क्षेत्र के विकास, जनहित के कार्यों एवं सामाजिक गतिविधियों को और अधिक गति प्रदान करेगी।

बैठक में समिति की नई कार्यकारिणी की भी घोषणा की गई। इसके अनुसार देवेन्द्र कुमार शर्मा एवं कर्नल रोहिताश यादव को उपाध्यक्ष, राजेश जाजड़ा को सचिव, राजेश कुमार परमार को कोषाध्यक्ष तथा एडवोकेट हरीश कुमार श्रीवास्तव को कानूनी सलाहकार नियुक्त किया गया।

नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का उपस्थित सदस्यों ने पुष्पमालाएं पहनाकर एवं शुभकामनाएं देकर स्वागत किया। इस अवसर पर समिति ने क्षेत्र में स्वच्छता, सुरक्षा, मूलभूत सुविधाओं के विकास तथा सामाजिक सौहार्द बनाए रखने के लिए मिल-जुलकर कार्य करने का संकल्प लिया।

बैठक के अंत में सभी सदस्यों ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष एवं पदाधिकारियों को बधाई देते हुए उनके सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

सात साल बेमिसाल के साथ, उपखंड अधिकारी का अभिनन्दन

ललित मीना एडीएम में हो चुके है पदोन्नत

दैनिक सम्राट संवाददाता

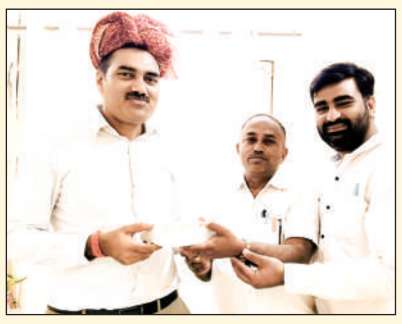

जमवारामगढ़ (अंकिता शर्मा)। उपखंड अधिकारी ललित मीना ने राजस्थान प्रशासनिक सेवा में शुक्रवार को सात वर्ष का सेवाकाल पूर्ण होने पर अधिवक्ताओं ने अभिनंदन कर 7 साल बेमिसाल की उपलब्धि का उत्सव मनाया। इस अवसर पर एसडीएम की कार्यशैली, जनसुनवाई और प्रशासनिक कार्यों की सराहना करते हुए हर समय जनहित को सर्वोपरी मानकर काम करने पर माला व साफापहनाकर तथा मिठाई खिलाकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि एसडीएम के कार्यकाल के दौरान आमजन की समस्याओं के समाधान को प्राथमिकता दी गई। न्यायिक एवं प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता बनाए रखने के साथ-साथ बार और बेंच के बीच बेहतर समन्वय स्थापित हुआ, जिससे अधिवक्ताओं और आम लोगों को सकारात्मक माहौल मिला। अधिवक्ताओं ने कहा कि एसडीएम का व्यवहार सदैव सरल, संवेदनशील और जनहितैषी रहा है।?

इस अवसर पर पूर्व प्रधान एडवोकेट रामजीलाल मीणा एवं एडवोकेट गौरव शर्मा ने एसडीएम को साफा पहनाकर, पुष्पमाला पहनाई तथा मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं एवं बधाई दी। उन्होंने कहा कि सात वर्षों की यह प्रशासनिक यात्रा जनसेवा, पारदर्शिता और संवेदनशील कार्यशैली के कारण यादगार रही है।

कार्यक्रम में उपस्थित अधिवक्ताओं एवं कार्यालय स्टाफ ने भी एसडीएम के कार्यकाल की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। सम्मान समारोह का माहौल आत्मीयता और उत्साह से भरपूर रहा। उपखंड अधिकारी पद पर कार्यरत आरएएस अधिकारी ललित मीना एडीएम पद पर पदौन्नत हो चुके है।

लालवास स्कूल में 6 कमरों के अवशेष उपयोगी सामग्री की बोली में उमड़े लोग

विद्यालय की नीलामी सूचना के तहत नीलामी में बोली लगाने आए व्यक्तियों को नीलामी कमेटी द्वारा भूमिदोज किए जाने वाले जर्जर 6 कमरे दिखाए गए।

दैनिक सम्राट संवाददाता

बस्सी (डीसी बेनिवाल)। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय लालवास में 6 कमरे जीर्णशीर्ण अवस्था में थे, जिला शिक्षा अधिकारी, माध्यमिक शिक्षा जयपुर के आदेशानुसार भूमिदोज एवं समतलीकरण के लिए शुक्रवार को विद्यालय प्रांगण में सुबह 10 बजे खुली नीलामी का आयोजित हुई। विद्यालय की नीलामी सूचना के तहत नीलामी में बोली लगाने आए व्यक्तियों को नीलामी कमेटी द्वारा भूमिदोज किए जाने वाले जर्जर 6 कमरे दिखाए गए। जिसमें 6 कमरों का अवशेष उपयोगी सामग्री में पट्टियां, लोहे के दरवाजे, खिड़कियां, मलबा को 51 हजार रुपए में सर्वाधिक बोली लगाकर विक्रमसिंह मीणा ने बोली अपने नाम की। बोली कि कार्यवाही प्रधानाचार्य एवं एसडीएमसी अध्यक्ष जगदीश नारायण मीणा, सचिव राजेंद्र कुमार भारद्वाज, सदस्य कमलेश सामोता, एसएमसी अध्यक्ष रामावतार जोशी, प्रशासक लाली देवी मीणा, एसडीएमसी सदस्य गोवर्धन मीणा, कनिष्ठ सहायक त्रिवेणी श्याम सैनी, सहायक अभियंता समग्र शिक्षा शेरसिंह, पंचायत समिति सदस्य हरिनारायण सैनी, पंचायत शिक्षक समेत अनेक लोग मौजूद रहे।

सरकारी अस्पतालों में बुनियादी ढांचे और सुरक्षा व्यवस्था पर हाईकोर्ट ने सरकार से मांगा जवाब

दैनिक सम्राट संवाददाता

जयपुर। हाईकोर्ट ने राजस्थान के सरकारी अस्पतालों में बुनियादी ढांचे और सुरक्षा व्यवस्था में कमियों को लेकर राज्य सरकार से जवाब मांगा है। कोर्ट ने राज्य के प्रमुख चिकित्सा सचिव को कैग की 2024 की रिपोर्ट में बताई गई खामियों को दूर करने के लिए उठाए गए कदमों की जानकारी देने के लिए कहा।

यह आदेश कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश संजीव प्रकाश शर्मा व जस्टिस मनीष शर्मा ने बेंच ने असीम सिमलोट की जनहित याचिका ?पर सुनवाई करते हुए दिए। याचिका में कहा गया कि राज्य के सरकारी अस्पतालों में बुनियादी सुरक्षा और परिचालन मानकों की पालना नहीं हो रही है।

इनमें भारतीय सार्वजनिक स्वास्थ्य मानक (आईपीएचएस) बायो-मेडिकल वेस्ट प्रबंधन नियम और अनिवार्य अग्निशमन सुरक्षा मानदंड शामिल है।

कैग की रिपोर्ट में भी चेताया गया: याचिकाकर्ता ने बताया- इन व्यवस्थागत विफलताओं को पहले भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (कैग) की 2024 की रिपोर्ट में भी बताया गया था, लेकिन कैग की स्पष्ट चेतावनियों के बावजूद राज्य सरकार ने कोई प्रभावी सुधारात्मक कदम नहीं उठाए।

इसके कारण सरकारी अस्पतालों में मरीजों की मौत, चोटिल होना, चिकित्सा लापरवाही और अन्य दुर्घटनाओं के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि कैग की सिफारिशों को समय रहते और प्रभावी ढंग से लागू किया होता, तो कई दुखद घटनाओं को रोका जा सकता था।

समान मुआवजा नीति बनाए सरकार: याचिका में चिकित्सा लापरवाही और अस्पताल से जुड़ी दुर्घटनाओं के पीड़ितों के लिए पूरे राज्य में एक समान मुआवजा योजना तैयार करने की भी मांग की गई है। कोर्ट ने मामले में सरकार को नोटिस देते हुए सुनवाई 19 अगस्त तक टाल दी।

रिश्वतखोर कृषि अधिकारियों के घर एसीबी ने ली तलाशी, करोड़पति होने के सबूत मिले

एक अफसर के पास दिल्ली में फ्लैट; दूसरे के पास 10 प्लॉट व 1 किलो चांदी के गहने

दैनिक सम्राट संवाददाता

जयपुर। खाद कंपनियों पर कार्रवाई का डर दिखाकर रिश्वत वसूलने में अरेस्ट आरोपी कृषि अधिकारियों के घर पर एसीबी ने शुक्रवार को सर्च किया। एसीबी को तलाशी के दौरान गहने-कैश और प्लॉट-फ्लैट के डॉक्यूमेंट मिले। दोनों घूसखोर कृषि अधिकारियों के करोड़पति होने के सबूत एसीबी के हाथ लगे हैं।

बता दें कि कोटपूतली-बहरोड़ और भिवाड़ी में खाद कंपनियों पर कार्रवाई के नाम पर अफसरों ने रुपए वसूले थे। इस पर एसीबी ने गुरुवार को उनकी गाड़ी से रुपए बरामद किए थे।

एसीबी टीमों ने जगतपुरा के प्रेम नगर में कृषि अधिकारी महेश मीणा के घर पर तलाशी ली। सर्च में घर से 5 लाख रुपए कैश सहित दिल्ली में एक फ्लैट और दौसा में एक प्लॉट होने के डॉक्यूमेंट मिले। वहीं कृषि अधिकारी भगवान सहाय यादव के कालवाड़ रोड गोकुलपुरा स्थित घर पर एसीबी ने सर्च किया। यहां तलाशी में भगवान सहाय के घर से 10 प्लॉट और 1 फ्लैट के डॉक्यूमेंट मिले। इसके अलावा 10 बैंक अकाउंट के साथ ही अलमारी में 184 ग्राम सोना और 1 किलो चांदी के गहने और दो कारें मिली हैं। कृषि अधिकारी चंदाराम और ड्राइवर रमेश मीणा के घर पर सर्च में कुछ खास नहीं मिल सका।

अब गिरफ्तार दोनों कृषि अधिकारियों के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का केस भी दर्ज होगा। एसीबी टीम फिलहाल गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

ये था मामला: एसीबी ने गुरुवार को शाहपुरा के पास हाईवे पर कृषि अधिकारियों की सरकारी गाड़ी को रुकवाकर चेकिंग की थी। चेकिंग में इनके पास बैग में रखे सैंपल पैकेटों में 2.63 लाख रुपए छिपा कर रखे थे। जांच में मिले रुपए भिवाड़ी और कोटपूतली-बहरोड़ में संचालित खाद कंपनियों पर कार्रवाई का डर दिखाकर वसूला करते हुए पाए गए। गाड़ी में कृषि अधिकारी भगवान सहाय यादव और ड्राइवर रमेश चंद्र मीणा भी बैठे थे।

डीएवी सेंट्रल सीनियर सेकंडरी स्कूल, राजपार्क के प्रिंसिपल गोविंद मुद्गल सेवानिवृत्त

डीएवी सेंट्रल स्कूल, राजपार्क को बखूबी संभाला तथा विद्यालय की छात्र संख्या को दोगुनी तक पहुंचाया

दैनिक सम्राट संवाददाता

जयपुर (आर.आर. शर्मा)। डीएवी सेंट्रल सीनियर सेकंडरी स्कूल, राजपार्क, जयपुर के प्रधानाचार्य गोविंद मुद्गल प्राचार्य पद सेवानिवृत्त हो गए हैं। उन्होंने कोरोना काल के बाद डीएवी सेंट्रल स्कूल, राजपार्क को बखूबी संभाला तथा विद्यालय की छात्र संख्या को दोगुनी तक पहुंचाया। कोरोना काल में जब छात्र संख्या बहुत कम थी, तब उनके कार्यकाल में गरीब बच्चे, एकल महिला एवं अन्य पिछड़े वर्ग के विद्यार्थियों को रियायती शुल्क पर शिक्षा दिलवाने का कार्य प्रबंध समिति के सहयोग से किया गया। इस विद्यालय में 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' की थीम पर बालिकाओं का लगातार तीन वर्षों तक प्रवेश शुल्क माफ किया गया।

विद्यालय के सर्वश्रेष्ठ परीक्षा परिणाम एवं प्रगति के लिए प्रबंध समिति द्वारा प्रदत्त सहयोग एवं मार्गदर्शन के लिए उन्होंने आभार जताया। अभिभावकों ने भी उनकी सेवाओं के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

मेंटेनेंस कार्य व एलटी केबल चेंज होने के कारण बस्सी में बिजली कटौती आज

11 केवी बंशीधर नगर फीडर से जुड़े ईलाकों में बिजली रहेगी बंद

दैनिक सम्राट संवाददाता

बस्सी (डी.सी.बेनिवाल)। जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड बस्सी के 33/11 केवी जीएसएस नई रीको से निकलने वाले 11 केवी बंशीधर नगर फीडर से जुड़े कम्पलेन सेंटर बस स्टैंड बस्सी के आसपास का एरिया खटीक मोहल्ला, नीलम टॉकीज, मैन बाजार, सुनार मोहल्ला, भादूका मोहल्ला की सप्लाई आज शनिवार को सुबह 7 से 1 तक मेंटेनेंस कार्य व एलटी केबल चेंज होने के कारण बंद रहेगी।

इसके अलावा, जीएसएस गोकुलपुरा लसाडिया से निकलने वाले 11 केवी हरिरामपुरा फीडर की सप्लाई मरम्मत कार्य एवं ट्री कटिंग की वजह से आज शनिवार को सुबह 7 बजे से 11 बजे तक बंद रहेगी। यह जानकारी कनिष्ठ अभियंता बस्सी शहर सोनम खत्री ने दी है।

बाल्मीकि बस्ती के सामुदायिक भवन पर सामाजिक समरसता कार्यक्रम आयोजित

सामाजिक समरसता से देश प्रगति के पथ पर बढ़ेगाः राजवीर सिंह राजावत

दैनिक सम्राट संवाददाता

धौलपुर। पुराना शहर के बाल्मीकि बस्ती के सामुदायिक भवन पर सामाजिक समरसता कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत दुर्गा माता के मंदिर पर पूजा अर्चना कर की गई। अध्यक्षता भाजपा के जिला अध्यक्ष राजीव सिंह राजावत ने की एवं विशिष्ट अतिथि जिला उपाध्यक्ष धीर सिंह जादौन, शहर मंडल संयोजक बाचा राम बघेल, मीडिया प्रभारी मुकेश सक्सेना, पूर्व जिला मंत्री विनय परमार, प्रदीप सिसोदिया, शिव शंकर परिहार एवं सुभाष पचौरी रहे।

जिला अध्यक्ष राजवीर सिंह राजावत ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा सामाजिक समरसता से सिद्धांत पर काम कर रही हैं। सामाजिक समरसता का मतलब है समाज के सभी वर्गों, जातियों, धर्मों और समुदायों के बीच मेल-जोल, बराबरी और आपसी सम्मान का भाव रखना। राजावत ने बताया कि समानता का भाव किसी को जाति, धर्म, लिंग या आर्थिक स्थिति के आधार पर छोटा-बड़ा न समझना, संवाद और सह-अस्तित्व का भाव अलग-अलग विचारों और परंपराओं को सुनना और साथ रहना जैसे भारत में दिवाली, ईद, क्रिसमस सब मिलकर मनाए जाते हैं। साझी जिम्मेदारी में एक कुआं एक शमसान हो समरसता इसलिए जरूरी है कि इसके बिना विकास रुक जाता है।

झगड़े में ऊर्जा खर्च होती है, मिलकर रहने से ताकत बढ़ती है समरसता को बढ़ाने के लिए बच्चों को एक स्कूल में पढ़ाना, और दूसरों के त्योहारों में शामिल होना सबसे सरल तरीके हैं। सामाजिक समरसता देश को प्रगति के पथ पर ले जाती है, राजवीर सिंह राजावत ने मुझे सभी लोगों से कहा कि मैं तन मन धन से आपके सहयोग के लिए हमेशा उपलब्ध रहूंगा।

इस अवसर पर कार्यक्रम में रमेश चंद साहू, सोबरन सिंह नरवार, दुर्गा प्रसाद करोसिया, महेश मुखिया, मुन्नालाल खरे, बनवारी लाल करोसिया, रमेश मौर्य, मुकेश महंत, नरेश डागौर, वीरू रजक, बंसी मोहन, शिवराम पथरोल दिनेश नरवार, मदन, मासूम, मुन्नालाल प्रजापति, भीकम बघेल, कप्तान बघेल, रमेश प्रजापति, पुजारी राजेंद्र प्रजापति, पवन नरवार, अजय थनवार, मोहन सिंह मास्टर, महेश डागौर, गोपाल बेनीवाल, शैलेंद्र जादौन, सरवन डागौर, रमेश बिसनारिया, बूटा नरवार उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन सुनील नरवार ने किया।

धौलपुर में श्री रणछोड़ शोभायात्रा धूमधाम से निकली

दैनिक सम्राट संवाददाता

धौलपुर। रणछोड़ नगरी धौलपुर की पावन भूमि पर रणछोड़धाम विकास समिति द्वारा आयोजित मासिक परिक्रमा यात्रा शाम को रणछोड़ जी को बग्गी में विराजित करके भव्य रूप से निकाली गई। गंगाबाई की बगीची से महंत हनुमानदास जी के द्वारा आरती पूजन के साथ प्रारंभ हुई। यह यात्रा शहर के प्रमुख धार्मिक स्थलों की परिक्रमा करते हुए काली माई मंदिर पर श्री रणछोड़ प्रभु की महाआरती के साथ समापन हुई। भजन-कीर्तन, जयकारों और फूलों की वर्षा के बीच सैकड़ों श्रद्धालुओं ने इसमें उत्साहपूर्वक भाग लिया। श्री रणछोड़ धाम विकास समिति के अध्यक्ष नितिन अग्रवाल ने बताया कि रणछोड़नगरी धौलपुर की अर्द्धपरिक्रमा यह केवल धार्मिक आयोजन नहीं है, बल्कि धौलपुर की प्राचीन सांस्कृतिक विरासत और सामुदायिक एकता का जनप्रचार प्रसार के साथ रणछोड़नगरी धौलपुर के सोये हुए गौरव को पुनर्जागृत करने हेतु मील का पत्थर साबित होगी। समिति अध्यक्ष ने आगे बताया कि धौलपुर को रणछोड़ नगरी के रूप में विश्व पटल पर स्थापित करने के लिए हम निरंतर कार्यरत हैं। मासिक परिक्रमा इसके केंद्र में है।

वहीं समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष बिनोद रावत ने बताया कि इस शोभा यात्रा का गंगाबाई की बगीची जैसे पावन स्थल से शुरू कर काली माई मंदिर जैसे शक्तिपीठ पर समापन करने से यात्रा में ऊर्जा और विविधता दोनों आती है। समिति के महामंत्री हरीबाबू ने बातचीत में कहा कि प्रतिमाह आयोजित होने वाली यह शोभायात्रा युवा पीढ़ी को धार्मिक मूल्यों से जोड़ने और शहर की सांस्कृतिक पहचान को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। धौलपुर की पहचान आध्यामिक सांस्कृतिक पुनर्जागरण के संदर्भ में प्रतिमाह आयोजित होने वाली यह यात्रा आयोजन दर्शाती हैं कि जब आस्था सामूहिक रूप लेती है तो वह पूरे समाज को जोड़ने और प्रेरित करने की अद्भुत शक्ति रखती है। इस अवसर पर कोषाध्यक्ष पवन जैन, ऋषि मित्तल, भीकम सिंह, दीपक गोयल, उमेश सिंहल, केशव सक्सैना, मनोज अग्रवाल, मुकेश बंसल कोर्ट, जनक सिंह, महेश मंगल, दिनेश गर्ग आदि प्रमुख रूप उपस्थित रहे।

बड़े भाई ने छोटे भाई को पीट-पीटकर मार डाला

क्रिकेट बैट से सिर पर कई वार किए; पैसों के लेन-देन को लेकर हुआ था विवाद

दैनिक सम्राट संवाददाता

बाड़मेर। बाड़मेर में बड़े भाई ने छोटे भाई की पीट-पीटकर हत्या कर दी। छोटा भाई रुपए के लेन-देन का हिसाब करने अपने बड़े भाई के घर गया था। दोनों भाइयों में किसी बात को बहस होने लगी। आवेश में आकर बड़े भाई ने घर में पड़े क्रिकेट बैट से छोटे भाई के सिर पर कई वार किए। इससे छोटे भाई की मौके पर ही मौत हो गई। घटना शिव थाना इलाके के पुषड़ गांव में गुरुवार शाम की है। मृतक सुरेश (25) पुत्र तोगाराम खेती करता था। पिता की सूचना पर पहुंची पुलिस ने बड़े भाई जेठाराम को डिटेन कर लिया। एफएसएल और एमओबी टीमों ने मौके से सबूत जुटाए।

पैसे को लेकर दोनों भाइयों में हुआ था विवादः शिव थानाधिकारी मनोहर विश्नोई ने बताया- पुषड़ गांव निवासी तोगा राम का बड़ा बेटा जेठाराम गांव के बाहर बनी ढाणी में पिता और अपने परिवार के साथ रहता है। वहीं छोटा बेटा गांव में रहता था। दोनों भाई खेती करते थे। गुरुवार शाम सुरेश रुपए के लेन-देन को लेकर जेठा राम के घर गया था।

ग्रामीण एवं शहरी सेवा शिविरों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें

आमजन को समयबद्ध मिले योजनाओं का लाभः राजन विशाल

दैनिक सम्राट संवाददाता

धौलपुर। डीओआईटी सभागार से वर्चुअल माध्यम से आयोजित समीक्षा बैठक में अधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश। जिला प्रभारी सचिव राजन विशाल की अध्यक्षता में शुक्रवार को डीओआईटी सभागार में ग्रामीण एवं शहरी सेवा शिविरों की प्रगति एवं व्यवस्थाओं की समीक्षा के लिए वर्चुअल बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलेभर में आयोजित किए जा रहे ग्रामीण एवं शहरी सेवा शिविरों के संचालन, विभिन्न विभागों द्वारा प्रदान की जा रही सेवाओं, योजनाओं की प्रगति तथा आमजन को दिए जा रहे लाभों की विस्तार से समीक्षा की गई। जिला प्रभारी ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिविरों में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति को त्वरित, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

बैठक को संबोधित करते हुए प्रभारी सचिव ने कहा कि राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप सेवा शिविरों का उद्देश्य आमजन को उनकी आवश्यक सरकारी सेवाएं एवं योजनाओं का लाभ एक ही स्थान पर सरल, सुगम और समयबद्ध तरीके से उपलब्ध कराना है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि शिविरों में प्राप्त होने वाले प्रत्येक आवेदन, शिकायत एवं प्रकरण का गंभीरता से परीक्षण करते हुए निर्धारित समय सीमा में उनका गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। किसी भी पात्र व्यक्ति को योजनाओं के लाभ से वंचित नहीं रहने दिया जाए तथा पात्र लाभार्थियों को अधिकतम संख्या में लाभान्वित करने के लिए विशेष प्रयास किए जाएं।

बैठक में जिला कलक्टर श्रीनिधि बी टी ने जिले में आयोजित किए जा रहे ग्रामीण एवं शहरी सेवा शिविरों की प्रगति से अवगत कराते हुए बताया कि प्रशासन द्वारा सभी विभागों के समन्वय से शिविरों का प्रभावी संचालन सुनिश्चित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्राप्त होने वाले आवेदनों के त्वरित निस्तारण के लिए विभागीय अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं तथा नियमित मॉनिटरिंग के माध्यम से प्रगति की समीक्षा की जा रही है।

जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ए एन सोमनाथ ने ग्रामीण क्षेत्रों में आयोजित सेवा शिविरों की गतिविधियों की जानकारी देते हुए बताया कि पंचायत स्तर तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए समन्वित प्रयास किए जा रहे हैं। वहीं अतिरिक्त जिला कलक्टर हरिराम मीना ने शहरी क्षेत्रों में आयोजित शिविरों की व्यवस्थाओं एवं विभिन्न विभागों द्वारा किए जा रहे कार्यों की जानकारी प्रस्तुत की।

प्रभारी सचिव ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि सेवा शिविरों के दौरान राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आमजन तक व्यापक रूप से पहुंचाई जाए तथा पात्र लाभार्थियों का मौके पर ही पंजीयन एवं आवश्यक औपचारिकताएं पूर्ण कर उन्हें योजनाओं से लाभान्वित किया जाए। बैठक में सम्बन्धित विभागीय अधिकारियों सहित उपखंड एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारी वर्चुअल माध्यम से जुड़े।

दलित नाबालिग किशोर अपहरण-मारपीट कांड में करौली पुलिस की बड़ी सफलता

48 घंटे में दो मुख्य आरोपी दबोचे, 25-25 हजार के इनामी बदमाश धौलपुर के जंगल से गिरफ्तार; पैदल परेड कराकर घटनास्थल का कराया मुआयना

दैनिक सम्राट संवाददाता

करौली (ओमप्रकाश सुमन)। 15 साल के दलित नाबालिग किशोर के अपहरण, बेरहमी से मारपीट और जातिसूचक शब्दों से अपमानित कर वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने के बहुचर्चित मामले में करौली पुलिस ने महज 48 घंटे में बड़ी सफलता हासिल की है। मुख्यमंत्री कार्यालय, पुलिस मुख्यालय की विशेष मॉनिटरिंग तथा जिला पुलिस अधीक्षक लोकेश सोनवाल के निर्देशन में गठित विशेष टीमों ने दो मुख्य आरोपियों को धौलपुर जिले के वन क्षेत्र से दस्तयाब कर लिया। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त शिफ्ट डिजायर कार भी जब्त की है। गिरफ्तारी के बाद दोनों आरोपियों की शहर में पैदल परेड कराई गई तथा पुलिस ने उन्हें घटनास्थल पर ले जाकर वारदात का मुआयना भी कराया। वहीं, अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

पुलिस अधीक्षक लोकेश सोनवाल ने मामले की गंभीरता को देखते हुए करौली वृत्ताधिकारी अनुज शुभम के नेतृत्व में कोतवाली, सदर करौली और मासलपुर थाना पुलिस की संयुक्त टीमें गठित की थीं। साथ ही दोनों मुख्य आरोपियों की गिरफ्तारी पर 25-25 हजार रुपये का इनाम भी घोषित किया गया था।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अभिषेक पुत्र वेदप्रकाश गुर्जर (21), निवासी सुन्दरपुरा, थाना सदर करौली तथा सौरभ पुत्र राजपाल गुर्जर (24), निवासी बदनपुरा, थाना सदर हिण्डौन सिटी के रूप में हुई है। आरोपी सौरभ प्राथमिक विद्यालय जगर (थाना सूरौठ) में एलडीसी के पद पर कार्यरत है।

ऐसे दिया वारदात को अंजामः 30 जून 2026 को इन्द्रा कॉलोनी निवासी एक महिला ने कोतवाली थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में आरोप लगाया गया कि उनका नाबालिग पुत्र मजदूरी से लौट रहा था, तभी आरोपियों ने उसे रास्ते से अगवा कर लिया। इसके बाद उसे गुडला बांध के पास जंगल में ले जाकर लाठी-डंडों, लात-घूंसों से बेरहमी से पीटा, जमीन पर पटक-पटक कर उल्टा लटकाकर मारपीट की।

जिला कलक्टर की अध्यक्षता में जिला सहकारी विकास समिति की बैठक आयोजित

दैनिक सम्राट संवाददाता

धौलपुर। जिला सहकारी विकास समिति की बैठक जिला कलक्टर एवं समिति अध्यक्ष श्रीनिधि बी टी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट में आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य जिले में सहकारी आंदोलन को अधिक मजबूत एवं प्रभावी बनाना रहा।

बैठक में जिला कलक्टर ने सहकारी समितियों से जुड़ी विभिन्न योजनाओं एवं गतिविधियों की समीक्षा की। उन्होंने पैक्स के कंप्यूटरीकरण, ग्राम पंचायत स्तर पर बहुउद्देशीय सेवा सहकारी समितियों के गठन तथा समितियों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में सेवाओं के विस्तार को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। साथ ही अनाज भंडारण के लिए गोदाम निर्माण तथा पैक्स को कॉमन सर्विस सेंटर के रूप में विकसित करने की योजनाओं पर भी विस्तार से चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि क्रय विक्रय सहकारी समितियों एवं ग्राम सेवा सहकारी समितियों में गोदाम निर्माण के लिए भूमि आवंटन किया जा चुका है। वहां शीघ्र गोदाम निर्माण की कार्यवाही किया जाना सुनिश्चित करें।

जिला कलक्टर ने निष्क्रिय सहकारी समितियों को पुनः सक्रिय करने तथा भूमि एवं भवन विहीन ग्राम सेवा सहकारी समितियों को भूमि आवंटन की प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि सहकारिता ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाने का महत्वपूर्ण माध्यम है। राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप सहकारी संस्थाओं को आधुनिक तकनीक, पारदर्शी कार्यप्रणाली एवं बेहतर प्रबंधन से जोड़ना समय की आवश्यकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी योजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग करते हुए लक्ष्य के अनुरूप प्रगति सुनिश्चित की जाए तथा विभागों के मध्य बेहतर समन्वय स्थापित कर लंबित कार्यों का समयबद्ध निष्पादन किया जाए।

उन्होंने कहा कि सहकारी समितियों में डाटा कैप्चरिंग एवं रिकॉर्ड संधारण का कार्य अधिक व्यवस्थित और तकनीकी रूप से किया जाए, जिससे समितियों की कार्यप्रणाली पारदर्शी एवं प्रभावी बन सके।

दलित किशोर से मारपीट के विरोध में जाटव-बैरवा समाज का प्रदर्शन

जिले के विभिन्न स्थानों में दर्ज दलित अत्याचार के मामलों में 3 दिन में कार्रवाई नहीं होने पर दी उग्र आंदोलन की चेतावनी

प्रदर्शन के दौरान कलेक्ट्रेट परिसर में कुछ प्रदर्शनकारी वरिष्ठ अधिकारियों से मिलने की मांग को लेकर डीएसपी अनुज शुभम से उलझ गए।

दैनिक सम्राट संवाददाता

करौली (ओमप्रकाश सुमन)। 15 वर्षीय दलित किशोर के अपहरण, बेरहमी से मारपीट करने तथा घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने की घटना सहित जिले के विभिन्न पुलिस थानों में दर्ज दलित अत्याचार के प्रकरणों में कार्यवाही नहीं होने से नाराज जाटव एवं बैरवा समाज के लोगों ने जिला मुख्यालय पर शुक्रवार को जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में समाज के लोग जिला कलेक्ट्रेट पहुंचे, जहां पुलिस-प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए जिला कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक के नाम ज्ञापन सौंपकर फरार आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी एवं दलितों पर हो रहे अत्याचारों पर प्रभावी कार्रवाई की मांग की।

प्रदर्शन के दौरान कलेक्ट्रेट परिसर में कुछ प्रदर्शनकारी वरिष्ठ अधिकारियों से मिलने की मांग को लेकर डीएसपी अनुज शुभम से उलझ गए। इस दौरान धक्का-मुक्की होने से कुछ देर के लिए माहौल तनावपूर्ण हो गया। मौके पर मौजूद टोडाभीम विधायक एवं कांग्रेस जिलाध्यक्ष घनश्याम महर, पूर्व विधायक लाखन सिंह मीणा, सुरेश मीणा तथा जिला जाटव समाज सुधार समिति के अध्यक्ष हट्टीराम ठेकेदार ने हस्तक्षेप कर मामला शांत कराया। इसके बाद समाज के प्रतिनिधिमंडल ने अधिकारियों को ज्ञापन सौंपकर दोषियों की गिरफ्तारी और लंबित मामलों में कार्रवाई की मांग रखी।

चाकसू में गोलीराव तालाब की रपट को लेकर विवाद

ग्रामीणों ने मरम्मत कर ओवरफ्लो किया बहाल, प्रशासन को दी चेतावनी

दैनिक सम्राट संवाददाता

चाकसू (लोकेश कुमार गुप्ता)। कस्बे की जीवनरेखा माने जाने वाले गोलीराव तालाब के पारंपरिक ओवरफ्लो (रपट) को लेकर शुरू हुआ विवाद अब जनआंदोलन का रूप लेता नजर आ रहा है। गुरुवार को पर्यावरण प्रेमियों, किसानों, गौसेवकों, स्वयंसेवकों एवं स्थानीय ग्रामीणों ने श्रमदान कर तालाब के ओवरफ्लो को उसकी पूर्व स्थिति में बहाल कर दिया। ग्रामीणों का आरोप है कि हाल ही में ओवरफ्लो की चादर को लगभग दो फीट नीचे कर दिया गया था, जिससे तालाब की जल संग्रहण क्षमता प्रभावित हो रही थी। ग्रामीणों का कहना है कि इस बदलाव के कारण बारिश का पानी पहले ही बाहर निकलने लगा था, जिससे तालाब अपनी पूरी क्षमता तक नहीं भर पाता। इस विषय को लेकर पिछले कई दिनों से सोशल मीडिया पर विरोध दर्ज कराया जा रहा था, लेकिन प्रशासन की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने पर ग्रामीणों ने स्वयं आगे आकर श्रमदान के माध्यम से ओवरफ्लो की मरम्मत कर उसे पूर्व स्वरूप में बहाल कर दिया।

इस दौरान उपस्थित पर्यावरण प्रेमियों और किसानों ने कहा कि गोलीराव तालाब केवल एक जलाशय नहीं, बल्कि पूरे चाकसू क्षेत्र के किसानों, पशुपालकों और आमजन के लिए जीवनदायिनी धरोहर है। तालाब का पानी भूजल स्तर बनाए रखने, सिंचाई व्यवस्था को मजबूत करने तथा पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। ऐसे में इसकी पारंपरिक संरचना से किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ क्षेत्र के हित में नहीं है। ग्रामीणों ने प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि भविष्य में तालाब की प्राकृतिक संरचना या पारंपरिक ओवरफ्लो से दोबारा छेड़छाड़ की गई अथवा संरक्षण कार्यों में बाधा पहुंचाई गई, तो इसके विरोध में व्यापक जनआंदोलन किया जाएगा। इसकी समस्त जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।इधर, इस पूरे मामले को लेकर क्षेत्र की राजनीति भी गर्मा गई है। पूर्व विधायक वेदप्रकाश सौलकीं ने आरोप लगाया कि तालाब के ओवरफ्लो में किया गया बदलाव भू-माफियाओं को लाभ पहुंचाने की मंशा से किया गया था।

सम्पादकीय

पोस्ट मैट्रिक स्कॉलरशिप घोटाला: शिक्षा के नाम पर धोखा

सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि इस घोटाले में केवल कागजी अनियमितताएं नहीं मिलीं, बल्कि कुछ ऐसे संस्थानों के नाम भी सामने आए जो वास्तव में अस्तित्व में ही नहीं थे या नियमित रूप से संचालित नहीं हो रहे थे।

राजस्थान सरकार ने पोस्ट मैट्रिक स्कॉलरशिप योजना में करोड़ों रुपये की हेराफेरी और फर्जीवाड़े के मामले में देशभर के 20 कॉलेजों और शिक्षण संस्थानों पर कार्रवाई करते हुए उन्हें प्रतिबंधित कर दिया है। इनमें राजस्थान के 16 और अन्य राज्यों के चार संस्थान शामिल हैं। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की जांच में सामने आया कि कई कॉलेजों ने छात्रों के नाम पर फर्जी दस्तावेज अपलोड किए, जबकि कुछ संस्थान ऐसे भी थे जो वास्तविक रूप से संचालित ही नहीं हो रहे थे। इन संस्थानों द्वारा भेजे गए छात्रवृत्ति के आवेदन निरस्त कर दिए गए हैं। छह संस्थानों पर स्थायी प्रतिबंध लगाया गया है, जबकि 14 संस्थानों को तीन से पांच वर्ष तक के लिए ब्लैकलिस्ट किया गया है। साथ ही दोषी संस्थानों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने की तैयारी भी की जा रही है। यह कार्रवाई केवल एक वित्तीय घोटाले का मामला नहीं है, बल्कि देश की शिक्षा व्यवस्था, सामाजिक न्याय और सरकारी योजनाओं की विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल खड़े करती है।

पोस्ट मैट्रिक स्कॉलरशिप योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और अन्य वंचित वर्गों के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना है। यह योजना उन लाखों छात्रों के लिए उम्मीद का माध्यम है जिनके परिवार सीमित आय के कारण उच्च शिक्षा का खर्च नहीं उठा सकते। ऐसे में यदि इस योजना का पैसा फर्जी संस्थानों या गलत दस्तावेजों के जरिए हड़पा जाता है तो नुकसान केवल सरकारी खजाने का नहीं होता, बल्कि उन जरूरतमंद विद्यार्थियों का भी होता है जिनका भविष्य इसी सहायता पर निर्भर करता है।

सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि इस घोटाले में केवल कागजी अनियमितताएं नहीं मिलीं, बल्कि कुछ ऐसे संस्थानों के नाम भी सामने आए जो वास्तव में अस्तित्व में ही नहीं थे या नियमित रूप से संचालित नहीं हो रहे थे। इसके बावजूद उनके नाम पर छात्रवृत्ति के आवेदन स्वीकार किए गए और सरकारी धन प्राप्त करने की कोशिश की गई। इससे स्पष्ट होता है कि कुछ निजी संस्थानों ने शिक्षा को सेवा नहीं बल्कि कमाई का साधन बना लिया है। जब शिक्षा संस्थान ही नैतिकता से समझौता करने लगें तो समाज के लिए इससे बड़ी विडंबना और क्या हो सकती है।

यह मामला सरकारी निगरानी व्यवस्था पर भी सवाल उठाता है। यदि विभागीय जांच नहीं होती तो संभव है कि यह फर्जीवाड़ा लंबे समय तक चलता रहता। इसका अर्थ यह है कि आवेदन प्रक्रिया, दस्तावेज सत्यापन और संस्थानों की मान्यता की जांच में कहीं न कहीं गंभीर खामियां थीं। डिजिटल पोर्टल और ऑनलाइन व्यवस्था का उद्देश्य पारदर्शिता बढ़ाना था, लेकिन यदि उसी व्यवस्था का दुरुपयोग फर्जी दस्तावेज अपलोड करने में होने लगे तो तकनीक का लाभ सीमित रह जाता है। डिजिटल प्रणाली तभी प्रभावी हो सकती है जब उसके साथ मजबूत सत्यापन तंत्र और जवाबदेही भी जुड़ी हो।

राज्य सरकार द्वारा दोषी संस्थानों पर प्रतिबंध लगाने और एफआईआर दर्ज कराने का निर्णय स्वागत योग्य है। इससे स्पष्ट संदेश जाता है कि सरकारी योजनाओं में भ्रष्टाचार करने वालों के खिलाफ अब केवल चेतावनी नहीं, बल्कि कठोर कार्रवाई होगी। विशेष रूप से स्थायी प्रतिबंध उन संस्थानों के लिए बड़ा झटका है जिन्होंने शिक्षा जैसी पवित्र व्यवस्था को धोखाधड़ी का माध्यम बनाया। हालांकि केवल प्रतिबंध ही पर्याप्त नहीं होगा।

यह भी गंभीर चिंता का विषय है कि इस सूची में चिकित्सा शिक्षा से जुड़े संस्थानों के नाम भी सामने आए हैं। मेडिकल कॉलेजों का समाज में विशेष महत्व होता है क्योंकि वे भविष्य के डॉक्टर तैयार करते हैं। यदि ऐसे संस्थान भी सरकारी योजनाओं में अनियमितता करते पाए जाएं तो यह केवल वित्तीय अपराध नहीं बल्कि नैतिक दिवालियापन का संकेत है। चिकित्सा और शिक्षा दोनों ऐसे क्षेत्र हैं जिनका आधार विश्वास और सामाजिक जिम्मेदारी है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज करेंगे पचपदरा रिफाइनरी का लोकर्पण

पचपदरा रिफाइनरी: राजस्थान के औद्योगिक विकास का नया अध्याय, आर्थिक समृद्धि की आधारशीला

ओपिनियन

डॉ. सुनील शर्मा
वरिष्ठ पत्रकार

राजस्थान लंबे समय तक अपनी पहचान पर्यटन, खनिज संपदा, हस्तशिल्प और कृषि आधारित अर्थव्यवस्था के लिए जाना जाता रहा है। हालांकि पिछले कुछ वर्षों में राज्य ने औद्योगिक विकास की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इन्हीं प्रयासों में सबसे महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में से एक है बाड़मेर जिले के पचपदरा में स्थापित की जा रही रिफाइनरी और पेट्रोकेमिकल परियोजना। यह केवल एक औद्योगिक इकाई नहीं, बल्कि राजस्थान की आर्थिक संरचना को नई दिशा देने वाली परियोजना मानी जा रही है। रोजगार, निवेश, आधारभूत ढांचे के विकास, ऊर्जा सुरक्षा और औद्योगिक विस्तार जैसे अनेक क्षेत्रों में इसके दूरगामी प्रभाव दिखाई देने की उम्मीद है। इसलिए पचपदरा रिफाइनरी को राजस्थान के विकास में मील का पत्थर कहा जा रहा है।

प्रधानमंत्री आज बालोतरा जिले की पचपदरा रिफाइनरी का लोकार्पण करेंगे। लोकार्पण के दौरान प्रधानमंत्री परियोजना का निरीक्षण करेंगे और जनसभा को संबोधित करेंगे।

राजस्थान वर्षों तक औद्योगिक निवेश के मामले में गुजरात, महाराष्ट्र, तमिलनाडु और कर्नाटक जैसे राज्यों से पीछे रहा। इसका एक बड़ा कारण समुद्री बंदरगाहों की अनुपस्थिति, जल संकट और भारी उद्योगों के लिए सीमित आधारभूत सुविधाएं थीं। लेकिन पिछले दो दशकों में बाड़मेर बेसिन में तेल और गैस के भंडार मिलने के बाद राज्य की संभावनाएं तेजी से बदलीं। यही संसाधन आगे चलकर पचपदरा रिफाइनरी परियोजना का आधार बने। इस परियोजना ने यह संदेश दिया कि राजस्थान केवल खनिजों का उत्पादक राज्य ही नहीं, बल्कि ऊर्जा और पेट्रोकेमिकल उद्योग का भी प्रमुख केंद्र बन सकता है।

पचपदरा रिफाइनरी का सबसे बड़ा महत्व यह है कि इससे कच्चे तेल का केवल उत्पादन ही नहीं होगा, बल्कि उसका मूल्य संवर्धन भी राज्य के भीतर होगा। किसी भी अर्थव्यवस्था में केवल कच्चा माल बेचने की तुलना में उसे प्रसंस्कृत कर तैयार उत्पाद बनाना अधिक लाभदायक होता है। यही कारण है कि रिफाइनरी जैसी परियोजनाएं किसी क्षेत्र की औद्योगिक क्षमता को कई गुना बढ़ा देती हैं। इससे पेट्रोल, डीजल, एलपीजी, एटीएफ और विभिन्न पेट्रोकेमिकल उत्पादों का उत्पादन होगा, जिनका उपयोग उद्योगों और आम जीवन दोनों में होता है।

इस परियोजना का सबसे बड़ा लाभ रोजगार के रूप में सामने आएगा। निर्माण चरण में हजारों लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार मिला है। परियोजना के पूर्ण रूप से चालू होने के बाद भी तकनीकी, प्रशासनिक, सुरक्षा, परिवहन, रखरखाव और सेवा क्षेत्रों में बड़ी संख्या में रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे। इससे केवल बाड़मेर ही नहीं, बल्कि जैसलमेर, जोधपुर, बालोतरा और आसपास के जिलों के युवाओं को भी नए अवसर मिलेंगे। रोजगार का यह विस्तार स्थानीय अर्थव्यवस्था को गति देगा और पलायन की समस्या को भी कम करने में मदद करेगा।

रिफाइनरी का प्रभाव केवल उसके परिसर तक सीमित नहीं रहेगा। इसके आसपास अनेक सहायक उद्योग विकसित होंगे। पेट्रोकेमिकल आधारित उद्योग, प्लास्टिक निर्माण, पैकेजिंग, रसायन, उर्वरक, पाइप, सिंथेटिक फाइबर, पॉलिमर और अन्य विनिर्माण इकाइयों के लिए नई संभावनाएं पैदा होंगी। दुनिया भर के औद्योगिक अनुभव बताते हैं कि जहां बड़ी रिफाइनरियां स्थापित होती हैं, वहां धीरे-धीरे औद्योगिक क्लस्टर विकसित हो जाते हैं। इससे निवेश का दायरा बढ़ता है और स्थानीय अर्थव्यवस्था अधिक विविध बनती है।

पचपदरा रिफाइनरी का सबसे बड़ा महत्व यह है कि इससे कच्चे तेल का केवल उत्पादन ही नहीं होगा, बल्कि उसका मूल्य संवर्धन भी राज्य के भीतर होगा। किसी भी अर्थव्यवस्था में केवल कच्चा माल बेचने की तुलना में उसे प्रसंस्कृत कर तैयार उत्पाद बनाना अधिक लाभदायक होता है।

राजस्थान के पश्चिमी क्षेत्र को लंबे समय तक पिछड़ा माना जाता रहा है। सीमावर्ती होने के कारण यहां औद्योगिक निवेश अपेक्षाकृत कम हुआ। पचपदरा रिफाइनरी इस क्षेत्र के लिए विकास का नया द्वार खोल सकती है। बेहतर सड़कें, रेलवे नेटवर्क, बिजली, जलापूर्ति और संचार सुविधाओं का विस्तार केवल उद्योगों के लिए ही नहीं, बल्कि आम नागरिकों के जीवन स्तर को भी बेहतर बनाएगा। किसी भी बड़ी औद्योगिक परियोजना का सबसे बड़ा सकारात्मक प्रभाव यही होता है कि उसके साथ पूरे क्षेत्र का बुनियादी ढांचा विकसित होने लगता है।

राज्य के राजस्व में वृद्धि भी इस परियोजना का महत्वपूर्ण पक्ष है। उत्पादन शुरू होने के बाद करों, शुल्कों और अन्य आर्थिक गतिविधियों से सरकार की आय बढ़ेगी। बढ़ा हुआ राजस्व शिक्षा, स्वास्थ्य, सिंचाई, ग्रामीण विकास और सामाजिक कल्याण योजनाओं पर खर्च किया जा सकेगा। इस प्रकार रिफाइनरी का लाभ केवल उद्योग तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि आम जनता तक भी पहुंचेगा।

ऊर्जा सुरक्षा के दृष्टिकोण से भी यह परियोजना अत्यंत महत्वपूर्ण है। भारत दुनिया के सबसे बड़े कच्चे तेल आयातक देशों में शामिल है। ऐसे में घरेलू स्तर पर रिफाइनिंग क्षमता बढ़ाना राष्ट्रीय आवश्यकता है। पचपदरा रिफाइनरी देश की ऊर्जा अवसंरचना को मजबूत करेगी और उत्तर-पश्चिम भारत में पेट्रोलियम उत्पादों की उपलब्धता को बेहतर बनाएगी। इससे परिवहन लागत में कमी आएगी और आपूर्ति श्रृंखला अधिक मजबूत होगी।

इस परियोजना से स्थानीय व्यापार और सेवा क्षेत्र को भी नई गति मिलेगी। होटल, परिवहन, रेस्टोरेंट, निर्माण सामग्री, बैंकिंग, स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा और छोटे व्यवसायों की मांग बढ़ेगी। बड़ी औद्योगिक परियोजनाएं अपने आसपास एक नई आर्थिक संस्कृति विकसित करती हैं, जिसमें छोटे और मध्यम उद्यमों को भी विकास का अवसर मिलता है। यही कारण है कि किसी एक बड़े उद्योग का प्रभाव अनेक अन्य क्षेत्रों तक पहुंचता है।

हालांकि विकास के साथ कुछ चुनौतियां भी जुड़ी होती हैं। रिफाइनरी जैसे उद्योग पर्यावरणीय दृष्टि से संवेदनशील माने जाते हैं। वायु प्रदूषण, जल प्रबंधन, औद्योगिक अपशिष्ट और कार्बन उत्सर्जन जैसी चुनौतियों का समाधान आधुनिक तकनीक और कठोर निगरानी से ही संभव है। यदि पर्यावरणीय मानकों की अनदेखी की गई तो विकास की कीमत स्थानीय लोगों और प्राकृतिक संसाधनों को चुकानी पड़ सकती है। इसलिए आर्थिक विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन बनाए रखना आवश्यक होगा।

जल उपलब्धता भी एक महत्वपूर्ण चुनौती है। पश्चिमी राजस्थान पहले से ही जल संकट वाले क्षेत्रों में गिना जाता है। ऐसे में रिफाइनरी के संचालन के लिए जल का वैज्ञानिक और टिकाऊ प्रबंधन आवश्यक है। पुनर्चक्रण, अपशिष्ट जल के उपचार और जल संरक्षण की आधुनिक तकनीकों का व्यापक उपयोग करना होगा ताकि स्थानीय जल संसाधनों पर अतिरिक्त दबाव न पड़े।

स्थानीय युवाओं के कौशल विकास पर भी विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। यदि परियोजना में अधिकांश तकनीकी पदों पर बाहरी राज्यों के लोग नियुक्त होंगे तो स्थानीय रोजगार की अपेक्षाएं पूरी नहीं हो पाएंगी। इसलिए उद्योग और सरकार को मिलकर कौशल विकास केंद्र स्थापित करने चाहिए, जहां युवाओं को पेट्रोकेमिकल, मशीनरी, इलेक्ट्रिकल, इंस्ट्रूमेंटेशन और अन्य तकनीकी क्षेत्रों का प्रशिक्षण दिया जा सके। इससे स्थानीय लोगों की भागीदारी बढ़ेगी और विकास का लाभ व्यापक रूप से वितरित होगा।

कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के माध्यम से भी इस परियोजना की बड़ी भूमिका हो सकती है। आसपास के गांवों में शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, महिला सशक्तिकरण, डिजिटल शिक्षा और कौशल विकास जैसी योजनाओं को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। किसी भी बड़े उद्योग की सफलता केवल उसके उत्पादन से नहीं, बल्कि उसके सामाजिक योगदान से भी आंकी जाती है।

राजस्थान सरकार के लिए भी यह परियोजना निवेश आकर्षित करने का अवसर है। यदि पचपदरा के आसपास सुव्यवस्थित औद्योगिक क्षेत्र विकसित किए जाएं, निवेशकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं और नीतिगत स्थिरता बनाए रखी जाए तो आने वाले वर्षों में यह क्षेत्र देश के प्रमुख पेट्रोकेमिकल हब के रूप में उभर सकता है। इससे राज्य की औद्योगिक पहचान और मजबूत होगी।

वैश्विक स्तर पर ऊर्जा क्षेत्र तेजी से परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। एक ओर पारंपरिक ईंधनों की मांग बनी हुई है, वहीं दूसरी ओर स्वच्छ ऊर्जा की ओर भी दुनिया बढ़ रही है। ऐसे समय में आधुनिक रिफाइनरियों को भविष्य की जरूरतों के अनुरूप लचीला और तकनीक आधारित बनाना होगा। यदि पचपदरा रिफाइनरी आधुनिक पर्यावरणीय मानकों और ऊर्जा दक्षता को अपनाती है तो यह लंबे समय तक प्रतिस्पर्धी बनी रह सकती है।

इस परियोजना से स्थानीय व्यापार और सेवा क्षेत्र को भी नई गति मिलेगी। होटल, परिवहन, रेस्टोरेंट, निर्माण सामग्री, बैंकिंग, स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा और छोटे व्यवसायों की मांग बढ़ेगी। बड़ी औद्योगिक परियोजनाएं अपने आसपास एक नई आर्थिक संस्कृति विकसित करती हैं, जिसमें छोटे और मध्यम उद्यमों को भी विकास का अवसर मिलता है।

यह परियोजना राजस्थान के आर्थिक भूगोल को बदलने की क्षमता रखती है। अब तक राज्य के पश्चिमी हिस्से को मुख्यतः मरुस्थलीय और सीमावर्ती क्षेत्र के रूप में देखा जाता था, लेकिन आने वाले समय में यही क्षेत्र औद्योगिक विकास और ऊर्जा उत्पादन का प्रमुख केंद्र बन सकता है। इससे क्षेत्रीय असंतुलन भी कम होगा और विकास का लाभ अधिक समान रूप से वितरित होगा।

अंततः पचपदरा रिफाइनरी केवल एक औद्योगिक निवेश नहीं, बल्कि राजस्थान की बदलती विकास यात्रा का प्रतीक है। यह परियोजना रोजगार, निवेश, औद्योगिकीकरण, आधारभूत ढांचे और ऊर्जा सुरक्षा के नए अवसर लेकर आई है। यदि इसके संचालन में पारदर्शिता, पर्यावरणीय जिम्मेदारी, स्थानीय भागीदारी और सामाजिक उत्तरदायित्व को समान महत्व दिया गया, तो यह न केवल बाड़मेर बल्कि पूरे राजस्थान की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा सकती है।

इतिहास गवाह है कि कुछ परियोजनाएं केवल उद्योग नहीं होतीं, बल्कि वे किसी राज्य के भविष्य की दिशा बदल देती हैं। पचपदरा रिफाइनरी में भी वही क्षमता दिखाई देती है। यह राजस्थान को संसाधन-आधारित अर्थव्यवस्था से मूल्य संवर्धन, विनिर्माण और आधुनिक औद्योगिक विकास की ओर ले जाने वाला सेतु बन सकती है।

राशिफल

क्या कहता है आपका भविष्यफल

मेष राशि: आज दोस्तों, नए संपर्कों और सामूहिक कामों के जरिए धन कमाने के अच्छे मौके मिल सकते हैं। आपका कोई पुराना रुका हुआ पैसा आगे बढ़ सकता है। हालांकि, बुध देव के असर से थोड़ा समय लग सकता है। बिना सोचे-समझे कहीं भी पैसा लगाने से बचें और पूरा ध्यान धन को सुरक्षित करने पर रखें। शाम के समय धन लाभ का कोई अच्छा समाचार मिल सकता है। आज दफ्तर में आपके संपर्क ही आपकी सबसे बड़ी ताकत बनेंगे।

वृष राशि: आर्थिक मामलों में आज धीरे-धीरे अच्छा सुधार देखने को मिलेगा। घर-परिवार की जरूरतों पर थोड़ा धन खर्च हो सकता है। किसी करीबी पर भरोसा होने के बाद भी बिना पक्के कागजी काम के धन का लेन-देन बिल्कुल न करें। तुरंत मिलने वाले बड़े लाभ के जाल में फंसने के बजाय नियम से चलना ही सही रहेगा। शाम तक कामकाज के जरिए धन लाभ के योग बनेंगे। कार्यक्षेत्र में आज जिम्मेदारियां थोड़ी बढ़ सकती हैं, जो आपको अपनी साख मजबूत करने का मौका देंगी।

मिथुन राशि: आज यात्रा, नई शिक्षा या अपने हुनर को निखारने के लिए धन खर्च हो सकता है, जो आगे चलकर आपके बड़े काम आएगा। भावनाओं में बहकर पैसों से जुड़ा कोई भी गलत निर्णय न लें। शाम के बाद शुक्र देव की स्थिति आपके नए संपर्कों और रचनात्मक कामों के जरिए धन लाभ के अच्छे योग बनाएगी। आज आपको अपने ज्ञान को बढ़ाने और नए अवसरों को तलाशने का पूरा मौका मिलेगा। लिखने-पढ़ने, मीडिया या सलाह देने के काम से जुड़े लोग अच्छा प्रदर्शन करेंगे।

कर्क राशि: आज सांझा धन, टैक्स, कर्ज या बीमे से जुड़े मामलों में बहुत ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। किसी भी कागज पर आगे बढ़ने से पहले उसकी हर एक लाइन को खुद अच्छे से पढ़ लें। पैसों को लेकर आपका नियम से चलना ही आपको हर तरह के तनाव से दूर रखेगा। रुके हुए आर्थिक मामले अब धीरे-धीरे सही दिशा में आगे बढ़ेंगे। कार्यक्षेत्र में आज काम का दबाव थोड़ा ज्यादा महसूस हो सकता है, लेकिन आपकी लगन रंग लाएगी।

सिंह राशि: आज व्यापारिक साझेदारों या जीवनसाथी के साथ धन को लेकर होने वाली बातचीत बहुत महत्वपूर्ण रहेगी। जब तक हर एक छोटी बात पूरी तरह साफ न हो जाए, तब तक धन से जुड़ा कोई बड़ा वादा न करें। शाम को शुक्र देव आपकी ही राशि में आ रहे हैं, जिससे आने वाले दिनों में धन कमाने के कुछ बहुत ही शानदार मौके आपको मिल सकते हैं।

कन्या राशि: आज रोज के खर्चों में थोड़ी बढ़ोतरी हो सकती है, लेकिन आपका सही बजट सब कुछ आपके नियंत्रण में रखेगा। केवल आराम या दिखावे के लिए फालतू की चीजें खरीदने से पूरी तरह बचें। पूरा ध्यान लंबे समय की बचत पर होना चाहिए। अपनी धन की योजनाओं को एक बार फिर से देख लेना आज आपके हक में रहेगा। आपकी सूझबूझ आज पुराने रुके हुए कामों को समय पर पूरा करने में मदद करेगी, जिससे दफ्तर के तौर-तरीके सुधरेंगे।

तुला राशि: आज आपके रचनात्मक कामों और पुरानी योजनाओं से अच्छे नतीजे मिल सकते हैं। मन में उत्साह होने के बाद भी बिना सोचे-समझे धन का जोखिम लेने से बचें। शाम को शुक्र देव के राशि बदलने से नए संपर्कों के जरिए धन लाभ के अच्छे योग बनेंगे। आपका नियम से चलना ही आपको बड़ा फायदा देगा। आपके नए और अच्छे विचार आज कार्यस्थल पर सभी को बेहद पसंद आएंगे।

वृश्चिक राशि: घर-परिवार या जमीन से जुड़े मामलों में आज बहुत ही सोच-समझकर प्लानिंग करने की जरूरत होगी। मन के बहकावे में आकर फालतू का खर्च न करें। जब आप अपने बनाए बजट पर टिके रहेंगे, तभी आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। शाम का समय तुरंत कोई कदम उठाने के बजाय आगे के निवेश की योजना बनाने के लिए बेहतर है।

धनु राशि: आज छोटी यात्राओं, कुछ नया सीखने या संचार के साधनों पर धन खर्च होने के योग हैं। समझदारी से खर्च करें और फालतू की चीजें खरीदने से बचें। डिजिटल प्लेटफॉर्म या लिखने-पढ़ने के काम से जुड़े लोगों को धन लाभ के अच्छे मौके मिल सकते हैं। कोई भी भुगतान करने से पहले उसे अच्छे से जांच लें।

मकर राशि: आज आपका पूरा ध्यान अपने बजट को सुधारने और आर्थिक स्थिति को सुरक्षित करने पर रहेगा। अपनी बचत और निवेश को लेकर आज किसी अनुभवी व्यक्ति से बहुत अच्छी सलाह मिल सकती है। बिना सोचे-समझे बड़ी खरीदारी करने से बचें। आज की गई यह समझदारी भविष्य को मजबूत करेगी।

कुंभ राशि: चंद्रदेव आज आपकी ही राशि में आ रहे हैं, जिससे आर्थिक मामलों को लेकर नई सोच जागेगी। इसके बाद भी बिना सोचे-समझे कोई बड़ा कदम उठाने से पूरी तरह बचें। कहीं भी धन लगाने से पहले हर एक पहलू को अच्छे से समझ लें। दोस्तों और पुराने संपर्कों से मिलने वाला सहयोग आपकी आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाएगा।

मीन राशि: आर्थिक मामलों में आज अचानक किसी लाभ के बजाय धीरे-धीरे और सही प्लानिंग के जरिए ही सुधार देखने को मिलेगा। अनचाहे खर्चों से बचें और अपनी बचत को मजबूत करने पर ध्यान दें। किसी भरोसेमंद व्यक्ति से मिलने वाली सलाह आज आपके लंबे समय के लक्ष्यों को सही दिशा देने में बहुत उपयोगी साबित हो सकती है।

पहली ही बारिश में जलभराव से जनजीवन अस्त-व्यस्त, नालियों के पुनर्निर्माण की उठी मांग

बारिश में खुली प्रशासनिक दावों की पोल, घरों में घुसा पानी, ग्रामीणों ने जताया आक्रोश

दैनिक सम्राट संवाददाता

चाकसू (लोकेश कुमार गुप्ता)। चाकसू उपखंड क्षेत्र की पंचायत समिति कोटखावदा क्षेत्र के ग्राम गढ़ी लश्करी में गुरुवार को हुई पहली बारिश ने प्रशासन के स्वच्छता एवं जल निकासी संबंधी दावों की पोल खोलकर रख दी। बरसात के दौरान गांव की मुख्य नालियों में कचरा जमा होने और हाल ही में बनी सड़क का स्तर ऊंचा होने के कारण वर्षा जल की निकासी नहीं हो सकी। देखते ही देखते पानी कई गलियों और मकानों में भर गया, जिससे ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। घरों में रखा घरेलू सामान भी पानी की चपेट में आने से खराब हो गया और लोगों को घंटों तक पानी निकालने के लिए मशक्कत करनी पड़ी।

ग्रामीणों ने बताया कि बरसात शुरू होने से पहले न तो नालियों की समुचित सफाई कराई गई और न ही उनकी मरम्मत पर ध्यान दिया गया। कई स्थानों पर नालियां कचरे और मिट्टी से पूरी तरह जाम पड़ी थीं। बारिश शुरू होते ही पानी की निकासी रुक गई और पूरा पानी गलियों से होता हुआ लोगों के घरों में घुस गया। महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों को सबसे अधिक परेशानी का सामना करना पड़ा।

ग्रामीणों का कहना है कि यह समस्या कोई नई नहीं है। पिछले कई वर्षों से प्रत्येक मानसून में गांव के कई मोहल्लों में जलभराव की स्थिति बन जाती है, लेकिन संबंधित विभाग और प्रशासन स्थायी समाधान की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाते। हर बार केवल आश्वासन दिए जाते हैं, जबकि जमीनी स्तर पर स्थिति जस की तस बनी रहती है। पहली ही बारिश में जलभराव होने से ग्रामीणों में प्रशासन के प्रति गहरा रोष देखने को मिला।

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि हाल ही में बनी सड़क का स्तर पहले की तुलना में काफी ऊंचा कर दिया गया, लेकिन उसके अनुरूप नालियों का निर्माण या गहराई नहीं बढ़ाई गई। परिणामस्वरूप बारिश का पानी सड़क पर जमा होकर मकानों की ओर बहने लगा। कई घरों के आंगन और कमरों में पानी भर जाने से लोगों का दैनिक जीवन प्रभावित हो गया। कुछ परिवारों का घरेलू सामान, अनाज और अन्य आवश्यक वस्तुएं भी भीगकर खराब हो गईं।समस्या से परेशान ग्रामीणों ने पंचायत समिति कोटखावदा के अधिकारियों और प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर गांव में नालियों के पुनर्निर्माण, नियमित सफाई तथा जल निकासी की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है। ग्रामीणों ने कहा कि यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो आगामी दिनों में होने वाली तेज बारिश से स्थिति और गंभीर हो सकती है। लगातार जलभराव से मकानों की नींव कमजोर होने का खतरा भी बढ़ गया है, जिससे भविष्य में बड़े नुकसान की आशंका बनी हुई है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि गांव का सर्वे कराकर जल निकासी की वैज्ञानिक योजना बनाई जाए, जाम नालियों की तत्काल सफाई कराई जाए तथा जहां आवश्यकता हो वहां नई नालियों का निर्माण कराया जाए। उनका कहना है कि यदि जल्द समाधान नहीं किया गया तो ग्रामीणों को मजबूर होकर आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ेगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

गांव में पहली ही बारिश के बाद उत्पन्न हुई इस स्थिति ने प्रशासनिक तैयारियों पर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। अब देखना यह होगा कि संबंधित विभाग ग्रामीणों की शिकायतों को कितनी गंभीरता से लेते हुए स्थायी समाधान की दिशा में प्रभावी कार्रवाई करता है।

बेंगलुरु पुलिस आयुक्त ने मासिक परेड का किया निरीक्षण

पुलिस आयुक्त ने पुलिस बल की कार्यकुशलता पर दिया जोर

दैनिक सम्राट संवाददाता

बेंगलुरु (दलपतसिंह भायल)। बेंगलुरु शहर के पुलिस आयुक्त ने शुक्रवार सुबह अडुगोडी स्थित सिटी आर्म्ड रिजर्व पुलिस परेड ग्राउंड में आयोजित मासिक परेड का निरीक्षण किया। सुबह 8 बजे आयोजित इस परेड में शहर पुलिस के विभिन्न विंगों के अधिकारी एवं जवान अनुशासित ढंग से शामिल हुए।

परेड के दौरान पुलिस आयुक्त ने परेड की सलामी ली तथा जवानों के अनुशासन, कार्यकुशलता और तैयारियों का निरीक्षण किया। उन्होंने पुलिस अधिकारियों और कर्मियों को कानून-व्यवस्था बनाए रखने, जनता के साथ संवेदनशील व्यवहार करने तथा अपने कर्तव्यों का पूरी निष्ठा और ईमानदारी से पालन करने का संदेश दिया। इस अवसर पर बेंगलुरु शहर पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य पुलिस बल में अनुशासन, समन्वय और पेशेवर दक्षता को और मजबूत करना रहा।

मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया से की शिष्टाचार भेंट

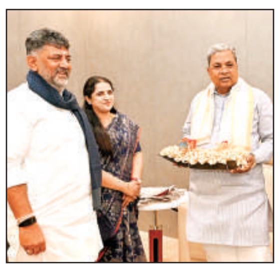

दैनिक सम्राट संवाददाता

बेंगलुरु (दलपतसिंह भायल)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने शुक्रवार को अपनी पत्नी उषा शिवकुमार और अपने भाई तथा बामुल के अध्यक्ष डीके सुरेश के साथ पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के कावेरी स्थित आवास पर शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान सभी ने दोपहर के भोजन (लंच) पर विभिन्न समसामयिक विषयों पर सौहार्दपूर्ण वातावरण में चर्चा की। मुलाकात को शिष्टाचार भेंट बताया गया, जिसमें आपसी संवाद और विचार-विमर्श हुआ।

जीबीए के 27 वार्डों में समानांतर एसआईआर तत्काल रोकी जाए, चुनाव आयोग करे हस्तक्षेपः शोभा करंदलाजे

दैनिक सम्राट संवाददाता

बेंगलुरु (दलपतसिंह भायल)। केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे ने ग्रेटर बेंगलुरु अथॉरिटी (जीबीए) के 27 वार्डों में कर्नाटक राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा कराई जा रही समानांतर विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया पर आपत्ति जताते हुए इसे तत्काल रोकने की मांग की है। उन्होंने कहा कि इस मामले में चुनाव आयोग को हस्तक्षेप कर आवश्यक कार्रवाई करनी चाहिए।

मल्लेश्वरम स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में शुक्रवार को आयोजित प्रेसवार्ता में करंदलाजे ने कहा कि पूरे राज्य में केंद्रीय चुनाव आयोग पहले से ही एसआईआर अभियान चला रहा है। ऐसे में राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जीबीए के 27 वार्डों में अलग से एसआईआर कराना मतदाताओं में भ्रम की स्थिति पैदा कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार राजनीतिक कारणों से यह प्रक्रिया ला रही है।

उन्होंने कहा कि लगभग 20 वर्षों बाद एसआईआर कराया जा रहा है, जिसका उद्देश्य मतदाता सूची से मृत व्यक्तियों के नाम हटाना, फर्जी एवं अवैध मतदाताओं की पहचान करना तथा मतदाता सूची को शुद्ध बनाना है। उनके अनुसार, शहरी क्षेत्रों में बड़ी संख्या में ऐसे मतदाता हैं जो स्थानांतरित हो चुके हैं, लेकिन उनके नाम अब भी मतदाता सूची में दर्ज हैं, जिससे मतदान प्रतिशत भी प्रभावित होता है।

करंदलाजे ने राज्य सरकार पर आरोप लगाया कि वह अवैध मतदाताओं को मतदाता सूची में शामिल करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने दावा किया कि अवैध बांग्लादेशी नागरिकों को कर्नाटक का निवासी और मतदाता बनाने की साजिश रची जा रही है तथा कुछ अधिकारियों पर भी नियमों की अनदेखी कर ऐसे नाम जोड़ने का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा कि नियमों के अनुसार बूथ लेवल अधिकारी को घर-घर जाकर सत्यापन करना चाहिए, लेकिन कई स्थानों पर मस्जिदों, विवाह भवनों और वेलफेयर सेंटरों में फॉर्म भरवाए जा रहे हैं। उनका आरोप था कि कई मामलों में बिना उचित सत्यापन के नाम जोड़े जा रहे हैं तथा बीएलओ पर दबाव बनाया जा रहा है।

केंद्रीय मंत्री ने यह भी आरोप लगाया कि राज्य में साइबर केंद्रों के माध्यम से जन्म प्रमाण पत्र जारी करने की प्रक्रिया में अनियमितताएं हो रही हैं और एसआईआर शुरू होने के बाद ऐसे मामलों में वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा स्थायी निवास प्रमाण पत्र जारी करने की प्रक्रिया का भी दुरुपयोग किया जा रहा है।

करंदलाजे ने आरोप लगाया कि इन सभी गतिविधियों का उद्देश्य आगामी चुनावों को प्रभावित करना है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग को पूरे मामले का संज्ञान लेकर निष्पक्ष जांच करानी चाहिए तथा यदि कहीं नियमों का उल्लंघन हो रहा है तो तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए।

प्रेसवार्ता में बेंगलुरु दक्षिण जिला भाजपा अध्यक्ष एवं विधायक सी.के. राममूर्ति, बेंगलुरु उत्तर जिला अध्यक्ष एस. हरीश तथा बेंगलुरु केंद्रीय जिला अध्यक्ष सप्तगिरी गौड़ा भी उपस्थित थे।

कन्हैया सुवालका कलाल महासभा के प्रदेश अध्यक्ष मनोनीत

दैनिक सम्राट संवाददाता

इटावा (ओमप्रकाश जगरोटिया)। अखिल भारतीय कलवार कलाल कलार महासभा की पुष्कर में आयोजित राजस्थान प्रदेश स्तरीय बैठक में कन्हैया सुवालका को राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष मनोनीत किया गया है। सुवालका के निर्विरोध निर्वाचन पर महासभा के अध्यक्ष मनीष राय, महामंत्री किशोर भगत सहित समाज के प्रबुद्धजनों ने हर्ष व्यक्त करते हुए नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष को बधाई दी। उन्होंने उम्मीद जताई कि नए नेतृत्व में संगठन निरंतर प्रगति करेगा और समाज में एकता, सहयोग व सेवा की भावना और अधिक सुदृढ़ होगी।

ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर के निर्देश के बाद जागा प्रशासन

बोरीना खुर्द में जलभराव की समस्या का हुआ स्थायी समाधान, मंत्री के निर्देश पर प्रशासनिक टीम ने भारी मशीनों के साथ मौके पर पहुंचकर हटवाया अतिक्रमण, नाला खुदाई से कराई पानी की सुगम निकासी, ग्रामीणों ने ली राहत की सांस

दैनिक सम्राट संवाददाता

सांगोद/इटावा (ओमप्रकाश जगरोटिया)। ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर के कड़े निर्देशों के बाद सांगोद क्षेत्र की ग्राम पंचायत बोरीनाकलां के अंतर्गत आने वाले बोरीना खुर्द गांव में लंबे समय से मुख्य रास्ते पर हो रहे गंभीर जलभराव की समस्या का आखिरकार पूरी तरह से स्थायी समाधान कर दिया गया है। मंत्री नागर के कड़े और स्पष्ट निर्देशों के बाद स्थानीय प्रशासन ने युद्धस्तर पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की। गांव के मुख्य मार्ग पर पसरे अतिक्रमण को पूरी तरह हटाते हुए जल निकासी के लिए नए नाले का निर्माण करवाया गया है। जिससे ग्रामीणों को कई फीट भरे गंदे पानी और कीचड़ की समस्या से हमेशा के लिए मुक्ति मिल गई है।

उल्लेखनीय है कि बोरीना खुर्द गांव के मुख्य रास्ते पर कई फीट तक गंदा और बरसाती पानी जमा हो जाने के कारण स्थानीय निवासियों की स्थिति अत्यंत नारकीय बनी हुई थी। जलभराव के चलते पूरी सड़क क्षतिग्रस्त हो चुकी थी और वहां गहरे व खतरनाक गड्ढे बन गए थे। इसके कारण आए दिन दुपहिया वाहन चालक गिरकर चोटिल हो रहे थे और ग्रामीणों का पैदल चलना भी दूभर हो चुका था। लंबे समय से जमा इस पानी के कारण क्षेत्र में मच्छरों का भयंकर प्रकोप बढ़ रहा था, जिससे गंभीर बीमारियों के फैलने का खतरा पैदा हो गया था। ग्रामीणों के द्वारा ऊर्जा मंत्री को अवगत कराया गया था।

जब इस गंभीर जनसमस्या और ग्रामीणों की परेशानी की जानकारी ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर को मिली, तो उन्होंने अत्यंत संवेदनशीलता दिखाते हुए इसे तुरंत संज्ञान में लिया। मंत्री नागर ने संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से मौके पर पहुंचने तथा समस्या का त्वरित निस्तारण करने के सख्त निर्देश जारी किए। मंत्री के आदेश मिलते ही पूरा प्रशासनिक अमला भारी मशीनरी और जेसीबी के साथ मौके पर पहुंचा। मार्ग को अवरुद्ध करने वाली मिट्टी और अतिक्रमण को पूरी तरह से ध्वस्त किया गया तथा त्वरित रूप से एक गहरे नाले की खुदाई की गई। नाला बनते ही सड़क पर जमा सारा पानी सुगमता से बाहर निकल गया।

मदपटना खदान हादसाः जांच रिपोर्ट के बाद दोषियों पर होगी कड़ी कार्रवाईः मुख्यमंत्री

दैनिक सम्राट संवाददाता

बेंगलुरु (दलपतसिंह भायल)। बेंगलुरु दक्षिण तालुक के मदपटना क्षेत्र में मगदी रोड के समीप स्थित एक पत्थर की खदान में हुए भीषण हादसे में सात श्रमिकों की मौत पर मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि घटना की आधिकारिक जांच रिपोर्ट मिलने के बाद ही सरकार आगे की कार्रवाई और जिम्मेदारों के खिलाफ कड़े कदम उठाएगी।

विधान सौधा में पत्रकारों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि पुलिस तथा खान एवं भूविज्ञान विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचकर जांच में जुटे हैं। शुरुआती जानकारी के अनुसार यह हादसा विस्फोट से नहीं, बल्कि खदान में चट्टान गिरने के कारण हुआ है।

उन्होंने कहा कि विस्तृत जांच के माध्यम से यह भी स्पष्ट किया जाएगा कि संबंधित खदान वैध रूप से संचालित हो रही थी या नहीं तथा सुरक्षा मानकों और नियमों का पालन किया जा रहा था या नहीं। जांच रिपोर्ट के आधार पर सरकार आवश्यक कानूनी और प्रशासनिक कार्रवाई करेगी।

वेलूर इंटक श्रमिक संगठन की ओर से नेत्रहीन बच्चों को खाद्य सामग्री वितरित

दैनिक सम्राट संवाददाता

बेंगलुरु/वेलूर (दलपतसिंह भायल)। वेलूर के पेरियार पार्क स्थित नेत्रहीन बच्चों के विद्यालय में शुक्रवार को भारतीय राष्ट्रीय ट्रेड यूनियन कांग्रेस (इंटक) द्वारा पूर्व विधायक, समाजसेवी एवं इंटक नेता जी. कालान की 88वीं जयंती के अवसर पर खाद्य सामग्री वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में कांग्रेस पार्टी के जिला अध्यक्ष वाहिद बाशा ने विद्यालय के 50 नेत्रहीन बच्चों को खाद्य सामग्री के पैकेट वितरित किए। उन्होंने कहा कि समाज के जरूरतमंद और दिव्यांग बच्चों की सेवा करना प्रत्येक व्यक्ति का नैतिक दायित्व है तथा ऐसे सेवा कार्यों से समाज में संवेदनशीलता और सहयोग की भावना मजबूत होती है।

आरटीई प्रतिपूर्ति में पारदर्शिता और न्याय की मांग, केएएमएस ने प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री से की अपील

दैनिक सम्राट संवाददाता

बेंगलुरु (दलपतसिंह भायल)। कर्नाटक एसोसिएटेड मैनेजमेंट ऑफ स्कूल्स (केएएमएस) ने आरटीई (शिक्षा का अधिकार) अधिनियम के तहत निजी गैर-सहायता प्राप्त विद्यालयों को मिलने वाली प्रतिपूर्ति में पारदर्शिता और न्याय सुनिश्चित करने की मांग करते हुए भारत के प्रधानमंत्री और कर्नाटक के मुख्यमंत्री से हस्तक्षेप की अपील की है।

केएएमएस ने मुख्यमंत्री को सौंपे गए विस्तृत ज्ञापन में कहा है कि आरटीई अधिनियम, 2009 की धारा 12(2) और कर्नाटक आरटीई नियमों के तहत शैक्षणिक वर्ष 2026-27 के लिए प्रति बच्चा व्यय का तत्काल निर्धारण और अधिसूचना जारी की जानी चाहिए।

संस्था का आरोप है कि सरकार द्वारा प्रति बच्चा व्यय तय करने में 50 से अधिक वास्तविक व्यय मदों की अनदेखी कर केवल पांच मदों को आधार बनाया गया है, जिससे आरटीई प्रतिपूर्ति की राशि वास्तविक खर्च से काफी कम निर्धारित की गई है।

केएएमएस के अनुसार, पिछले वर्षों में सरकारी विद्यालयों पर शिक्षा व्यय 20 हजार करोड़ रुपए से बढ़कर 45 हजार करोड़ रुपये से अधिक हो चुका है, लेकिन निजी विद्यालयों को मिलने वाली प्रतिपूर्ति अब भी लगभग नौ वर्ष पहले निर्धारित 8,000 से 16,000 रुपये के पुराने मानकों पर आधारित है। इससे हजारों मान्यता प्राप्त निजी गैर-सहायता प्राप्त विद्यालय गंभीर आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं।

संस्था ने यह भी बताया कि पिछले दो शैक्षणिक वर्षों की आरटीई प्रतिपूर्ति अभी तक जारी नहीं की गई है। साथ ही, ऑडिट आपत्तियों के आधार पर लगभग 27 करोड़ रुपये की वसूली भी विद्यालयों से की गई, जबकि विभाग को कई बार इस संबंध में ज्ञापन देने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हुआ।

केएएमएस ने कर्नाटक उच्च न्यायालय, सर्वोच्च न्यायालय तथा विभिन्न उच्च न्यायालयों के निर्णयों का हवाला देते हुए कहा कि आरटीई अधिनियम के अनुसार प्रतिपूर्ति का निर्धारण सरकार द्वारा किए गए वास्तविक वार्षिक आवर्ती व्यय के आधार पर किया जाना अनिवार्य है।

दौसा जिला हॉस्पिटल में पोस्टेड डॉक्टर हिमांशु की हार्टअटैक से मौत

दैनिक सम्राट संवाददाता

दौसा। दौसा जिला हॉस्पिटल में पोस्टेड 40 साल के डॉक्टर की जयपुर में हार्टअटैक से मौत हो गई। डॉ. हिमांशु शर्मा की शुक्रवार को अचानक तबीयत बिगड़ गई। जयपुर के प्राइवेट हॉस्पिटल में चेकअप के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। शुरुआती जांच में हार्ट अटैक से मौत होने की आशंका है।

डॉ. हिमांशु शर्मा शुक्रवार को अपने जयपुर स्थित घर पर थे। सीने में दर्द होने पर सुबह करीब 10 बजे पत्नी के साथ चेकअप करवाने मालवीय नगर स्थित राजस्थान हॉस्पिटल पहुंचे थे। यहां उनकी तबीयत बिगड़ गई और कुछ देर में दम तोड़ दिया।

2 दिन पहले भी हुआ था सीने में दर्दः जानकारी के अनुसार, डॉ. हिमांशु को 2 दिन पहले भी सीने में दर्द हुआ था। इसके बाद उन्होंने इसे मामूली समझकर टेबलेट ले ली थी।

मुख्यमंत्री का जोधपुर दौराः मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रस्तावित जोधपुर यात्रा की तैयारियों का लिया जायजा

पीएम मोदी जोधपुर में नवीन एयरपोर्ट टर्मिनल का करेंगे लोकार्पण

दैनिक सम्राट संवाददाता

जोधपुर/जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की शनिवार को प्रस्तावित जोधपुर यात्रा की तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने जोधपुर के नवीन एयरपोर्ट टर्मिनल का अवलोकन किया तथा लोकार्पण कार्यक्रम की जानकारी लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने इस दौरान मीडिया से बातचीत में कहा कि राजस्थान के लिए शनिवार का दिन ऐतिहासिक होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जोधपुर में नवीन एवं अत्याधुनिक एयरपोर्ट टर्मिनल तथा बालोतरा के पचपदरा में एचआरआरएल रिफाइनरी का लोकार्पण करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने जनवरी 2018 में इस महत्वाकांक्षी रिफाइनरी परियोजना कार्य का शुभारंभ किया था और अब उनके ही करकमलों से राष्ट्र को इसका समर्पण प्रदेश के लिए गर्व का विषय है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में राजस्थान को विकास की अनेक ऐतिहासिक सौगातें मिल रही हैं, जिनका लाभ आने वाले वर्षों में प्रदेश को मिलेगा। यह रिफाइनरी राजस्थान की औद्योगिक प्रगति का ग्रोथ इंजन साबित होगी। साथ ही, इससे विकास को नई गति मिलेगी, निवेश के नए अवसर सृजित होंगे तथा रोजगार और आर्थिक गतिविधियों का व्यापक विस्तार होगा।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री जोधपुर में नवीन एयरपोर्ट टर्मिनल के लोकार्पण के साथ ही संशोधित उड़ान योजना को लॉन्च करेंगे। इससे भारतीय विमानन क्षेत्र को बड़ा प्रोत्साहन मिलेगा और नागरिक विमानन के परिदृश्य में यह कदम महत्वपूर्ण साबित होगा। साथ ही 'उड़े देश का आम नागरिक' के विजन को भी बढ़ावा मिलेगा।

इस अवसर पर केन्द्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, सांसद पी पी चौधरी, विधायक अतुल भंसाली, राजस्थान जीव जंतु कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष जसवंत सिंह बिश्नोई सहित जनप्रतिनिधिगण एवं अधिकारीगण उपस्थित रहे।

स्पीकर देवनानी ने कोलकाता में पश्चिम बंगाल विधानसभा के नवनिर्वाचित विधायकों को वित्तीय कार्य एवं बजटीय प्रक्रिया पर दिया मार्गदर्शन

वित्तीय स्वायत्तता के बिना विधान मंडलों की जवाबदेही अधूरीः देवनानी

दैनिक सम्राट संवाददाता

कोलकाता/जयपर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने लोकसभा सचिवालय के पार्लियामेंटरी रिसर्च एंड ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट फॉर डेमोक्रेसीज तथा पश्चिम बंगाल विधानसभा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित नवनिर्वाचित विधायकों के राष्ट्रीय प्रबोधन कार्यक्रम में संसदीय व्यवस्था में वित्तीय कार्य और बजटीय प्रक्रिया विषय पर अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए कहा कि लोकधन पर विधायिका का प्रभावी नियंत्रण ही लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति है। उन्होंने कहा कि बजट केवल आय-व्यय का दस्तावेज नहीं, बल्कि जनता के विश्वास, पारदर्शिता, जवाबदेही और लोककल्याण का संवैधानिक संकल्प है। उन्होंने कहा कि संविधान निर्माताओं ने कार्यपालिका पर विधायिका का वित्तीय नियंत्रण सुनिश्चित करते हुए ऐसी व्यवस्था विकसित की है कि जनता की गाढ़ी कमाई का एक-एक रुपया सदन की अनुमति के बिना न तो व्यय किया जा सकता है और न ही जनता पर कोई नया कर लगाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक जनप्रतिनिधि का दायित्व है कि वह बजटीय प्रक्रिया, अनुदान मांगों, विनियोग विधेयक, वित्त विधेयक तथा संचित निधि, आकस्मिकता निधि और लोक लेखा जैसी संवैधानिक व्यवस्थाओं की गहन समझ विकसित करे।

स्नातक प्रथम वर्ष में प्रवेश हेतु तृतीय सूची जारी, दस्तावेजों के सत्यापन की अंतिम तिथि 8 जुलाई

दैनिक सम्राट संवाददाता

अलवर (भंवर सिंह)। अलवर जिले के राजकीय महाविद्यालय मालाखेडा में कला स्नातक प्रथम वर्ष में प्रवेश हेतु तृतीय वरीयता सूची एवं प्रतीक्षा सूची 3 जुलाई को प्रकाशित कर दी गई है। प्राचार्य डॉ. रवि कुमार विजय ने बताया की प्रवेशार्थियों की सुविधा के लिए सूचियाँ महाविद्यालय नोटिस बोर्ड पर प्रकाशित कर दी गई है।

महाविद्यालय में प्रवेश के नोडल अधिकारी डॉ. रेनू शर्मा ने बताया की जिन प्रवेशार्थियों का नाम वरीयता सूची अथवा प्रतीक्षा सूची में आया है वे ई-मित्र के माध्यम से बधाई पत्र तथा प्रवेश आवेदन फॉर्म का नवीन प्रिंट लेकर अपने मूल दस्तावेजो, अंकतालिकाओ, टीसी, सीसी, कैटेगरी प्रमाण पत्र इत्यादि की मूल एवं स्वयं सत्यापित प्रतिलिपि के साथ महाविद्यालय में सत्यापन के लिए प्रातः साढ़े दस बजे से दोपहर ढाई बजे के मध्य उपस्थित हों।

प्राचीन भूरासिद्ध हनुमान जी मंदिर सड़क मार्ग हुआ क्षतिग्रस्त, श्रद्धालु हो रहे परेशान

दैनिक सम्राट संवाददाता

राजगढ़ (अनिल कुमार गुप्ता)। राजगढ पंचायत समिति क्षेत्र के ग्राम कलेशान में ऐतिहासिक एवं प्राचीन भूरासिद् हनुमान मंदिर के उपर जा रही सड़क पूर्णतया क्षतिग्रस्त होने से मंदिर पर जाने वाले श्रृद्धालुओं को मंदिर जाने मे भारी परेशानियों का सामना करना पड रहा है वहीं दुर्घटना होने की संभावनाए बनी हुई है।

श्रृद्धालुओं और कलेशान, राजगढ़, ठेकडीन सहित क्षेत्र के लोगों ने जिले के मंत्री संजय शर्मा ,केन्द्रीय मंत्री एवं सासद भूपेन्द्र यादव से भूरासिद् हनुमान मंदिर की ओर जा रहे सड़क मार्ग को दुरुस्त कराने की मांग की है।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जयंती पर ईशरोदा में लगेगा स्वैच्छिक रक्तदान शिविर

होंगे पौधारोपण व प्रतिभा सम्मान कार्यक्रम

दैनिक सम्राट संवाददाता

तिजारा। भारतीय जनसंघ के संस्थापक एवं महान राष्ट्रवादी चिंतक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में 5 जुलाई को तिजारा क्षेत्र में विभिन्न सामाजिक एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर स्वैच्छिक रक्तदान शिविर, पौधारोपण अभियान सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं का सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा।

भाजपा नेता देशपाल यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ईशरोदा में शनिवार, 5 जुलाई को स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। इस शिविर का उद्देश्य जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ-साथ समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। उन्होंने युवाओं एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं से अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर रक्तदान करने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा संचालित वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के अंतर्गत आयोजित निबंध एवं चित्रकला प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को भी इस अवसर पर सम्मानित एवं पुरस्कृत किया जाएगा।

सप्तम राज्य वित्त आयोग की रिपोर्ट की प्रगति की समीक्षा, आंकड़ों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश

स्थानीय निकायों की वित्तीय व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने पर हुआ मंथन

दैनिक सम्राट संवाददाता

जयपुर। सप्तम राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ. अरुण चतुर्वेदी ने शुक्रवार को वित्त भवन में आयोजित बैठक में आयोग की प्रक्रियाधीन रिपोर्ट की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को रिपोर्ट को तथ्यपरक, व्यावहारिक और विश्वसनीय बनाने के निर्देश दिए। बैठक में पंचायती राज संस्थाओं एवं शहरी स्थानीय निकायों से प्राप्त आंकड़ों की गुणवत्ता, वित्तीय हस्तांतरण के मानदंडों तथा स्थानीय निकायों की प्रशासनिक व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक के प्रारंभिक सत्र में सदस्य सचिव नरेश कुमार ठकराल ने 13वें केंद्रीय वित्त आयोग द्वारा राज्य वित्त आयोगों की रिपोर्ट तैयार करने के लिए सुझाए गए टेम्पलेट की जानकारी साझा की। इसके साथ ही सप्तम राज्य वित्त आयोग द्वारा तैयार की जा रही रिपोर्ट की वर्तमान प्रगति का विस्तृत प्रस्तुतिकरण भी किया गया। समीक्षा के दौरान अध्यक्ष डॉ. अरुण चतुर्वेदी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि पंचायती राज संस्थाओं और शहरी स्थानीय निकायों से प्राप्त होने वाले सभी आंकड़ों का गुणवत्ता परीक्षण किया जाए तथा उनकी शुद्धता और विश्वसनीयता सुनिश्चित की जाए, ताकि आयोग की अंतिम रिपोर्ट वास्तविक तथ्यों और प्रमाणिक आंकड़ों के आधार पर तैयार हो सके।

बैठक में अधिकारियों ने स्थानीय निकायों की वित्तीय स्थिति को मजबूत बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव प्रस्तुत किए। इनमें स्व-राजस्व वृद्धि, पर्यावरण संरक्षण, बालिका शिक्षा को प्रोत्साहन, कर संग्रहण प्रणाली में पारदर्शिता, परिसंपत्ति डेटा का व्यवस्थित संकलन, चारागाह भूमि संरक्षण तथा ग्राम पंचायत स्तर पर बिल निर्माण एवं सत्यापन प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाने जैसे विषय प्रमुख रहे। अध्यक्ष ने इन सभी सुझावों को रिपोर्ट में समुचित स्थान देने और स्थानीय निकायों की प्रशासनिक व्यवस्था का गहन अध्ययन करने के निर्देश दिए, जिससे रिपोर्ट में जमीनी स्तर की वास्तविक परिस्थितियों का समावेश हो सके।

ढूंढाड़ परिषद ने जयपुर शहर के 8 क्षेत्र संयोजकों की घोषणा

दैनिक सम्राट संवाददाता

जयपुर। ढूंढाड़ परिषद, जयपुर ने संगठन के विस्तार और सामाजिक गतिविधियों को मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए जयपुर शहर के आठ क्षेत्र संयोजकों की घोषणा की है। परिषद के संस्थापक अध्यक्ष विजयपाल कुमावत के निर्देशानुसार जयपुर शहर अध्यक्ष अशोक गायवाला ने इन नियुक्तियों की घोषणा करते हुए संगठन को जमीनी स्तर तक सशक्त बनाने का संकल्प व्यक्त किया। परिषद ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों के लिए संयोजकों की जिम्मेदारी सौंपी है। किशनपोल क्षेत्र का संयोजक मनोज गोयल, मालवीय नगर का रोहित अजमेरा, विद्याधर नगर का मनोज शर्मा, झोटवाड़ा का गोवर्धन शर्मा, आदर्श नगर का किशोर मोतियानी, बगरू का जय सिंह शेखावत, सिविल लाइंस का योगेश जांगिड़ तथा सांगानेर क्षेत्र की संयोजक लक्की गुप्ता को बनाया गया है। जयपुर शहर अध्यक्ष अशोक गायवाला ने बताया कि इन नियुक्तियों का उद्देश्य संगठन को प्रत्येक क्षेत्र में सक्रिय बनाना, समाज के लोगों को जोड़ना तथा सामाजिक, सांस्कृतिक एवं जनकल्याणकारी गतिविधियों को गति देना है। उन्होंने कहा कि सभी नव-नियुक्त संयोजक अपने-अपने क्षेत्रों में परिषद की विचारधारा और सेवा कार्यों को आगे बढ़ाते हुए समाज के बीच समन्वय स्थापित करेंगे। परिषद के संस्थापक अध्यक्ष विजयपाल कुमावत ने सभी नव-नियुक्त संयोजकों को शुभकामनाएं देते हुए अपेक्षा जताई कि वे संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभाएंगे।

उन्होंने कहा कि ढूंढाड़ परिषद समाज के हितों की रक्षा, सामाजिक एकता और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के लिए निरंतर कार्य करती रहेगी। इस घोषणा के बाद परिषद के पदाधिकारियों एवं समाज के लोगों ने सभी नव-नियुक्त संयोजकों को बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। संगठन का मानना है कि इन नियुक्तियों से जयपुर शहर में परिषद की गतिविधियों को और अधिक मजबूती मिलेगी तथा समाज के बीच संगठन की पहुंच और प्रभाव में वृद्धि होगी।

टपूकड़ा में अघोषित बिजली कटौती पर फूटा जनाक्रोश, एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

दैनिक सम्राट संवाददाता

टपूकड़ा। नगर पालिका क्षेत्र टपूकड़ा में लगातार हो रही अघोषित विद्युत कटौती एवं अनियमित बिजली आपूर्ति से परेशान क्षेत्रवासियों ने शुक्रवार को उपखंड अधिकारी (एसडीएम) टपूकड़ा को ज्ञापन सौंपकर नियमित एवं निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित कराने की मांग की।

ज्ञापन में क्षेत्रवासियों ने बताया कि भीषण गर्मी के इस दौर में बार-बार हो रही बिजली कटौती से आमजन, विद्यार्थी, व्यापारी वर्ग तथा छोटे उद्योग संचालक गंभीर परेशानियों का सामना कर रहे हैं। अघोषित कटौती के कारण दैनिक जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है तथा व्यापारिक गतिविधियां भी प्रभावित हो रही हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए उपखंड अधिकारी ने मौके पर ही विद्युत विभाग के अधिशासी अभियंता से दूरभाष पर वार्ता कर नगर पालिका क्षेत्र में हो रही अघोषित बिजली कटौती की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने विद्युत विभाग को निर्देशित किया कि भविष्य में नियमानुसार विद्युत आपूर्ति सुनिश्चि की जाए तथा बिना किसी तकनीकी कारण और पूर्व सूचना के अघोषित बिजली कटौती नहीं की जाए।

इस अवसर पर समाजसेवी एवं अग्रवाल समाज टपूकड़ा के अध्यक्ष टीटू गर्ग, व्यापार सेवा संस्थान के अध्यक्ष पवन गुप्ता, ऋषभ गोयल, डॉ. सौरभ मदन, डॉ. सौरभ शर्मा, राहुल शर्मा, मोनू शर्मा, बिन्दु, तपन शर्मा एवं नितेश गोयल सहित कस्बे के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

अलवर में डेंगू के खिलाफ जंगः जुलाई में घर-घर चलेगा 'एंटी डेंगू अभियान', स्वास्थ्य विभाग मुस्तैद

दैनिक सम्राट संवाददाता

अलवर (भंवर सिंह)। बारिश के मौसम की शुरुआत के साथ ही अलवर जिले में मौसमी बीमारियों, खासकर डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह अलर्ट मोड पर आ गया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. योगेन्द्र कुमार शर्मा ने बताया कि जिले में जुलाई महीने से विशेष एंटी डेंगू अभियान शुरू किया जा रहा है, जो पूरे महीने घर-घर जाकर चलाया जाएगा।

घरों और दुकानों की होगी जांच, नष्ट किया जाएगा लार्वाः इस अभियान का मुख्य उद्देश्य आमजन में जागरूकता बढ़ाना और मच्छरों के पनपने वाले स्थानों को खत्म करना है। स्वास्थ्य विभाग की टीमें और संबंधित कर्मचारी जिले के सभी घरों, दुकानों और सार्वजनिक स्थानों का सघन निरीक्षण करेंगे। जहां भी पानी जमा पाया जाएगा, वहां मच्छरों के लार्वा को नष्ट करने के लिए एमएलओ, टेमीफोस का छिड़काव और सोर्स रिडक्शन जैसी एंटी-लार्वा गतिविधियां की जाएंगी।

रैपिड रिस्पॉन्स टीम अलर्ट मोड परः डॉ. योगेन्द्र कुमार शर्मा ने सभी चिकित्सा अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे बारिश के मौसम को देखते हुए मौसमी बीमारियों से पीड़ित मरीजों का विशेष ध्यान रखें। वहीं, उप मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. महेश कुमार बैरवा ने बताया कि विभाग की रैपिड रिस्पॉन्स टीम को अलर्ट मोड पर रखा गया है।

टीकाराम जूली का भाजपा पर हमला, बोले काम कांग्रेस का रिबन भाजपा काट रही

दैनिक सम्राट संवाददाता

जयपुर/अलवर। प्रधानमंत्री के प्रस्तावित रिफाइनरी उद्घाटन कार्यक्रम से एक दिन पूर्व नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने केंद्र व राज्य की भाजपा सरकार पर बड़ा हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा विकास करने में नहीं, बल्कि दूसरों के काम का श्रेय लेने में माहिर है।

टीकाराम जूली ने कहा कि रिफाइनरी का 80 से 85 प्रतिशत निर्माण कार्य कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में पूरा किया गया। भाजपा सरकार केवल उद्घटन कर राजनीतिक लाभ लेना चाहती है। पहले भी आगजनी की घटना के कारण उद्घाटन टल चुका है। अब जनता का समर्थन न मिलने के कारण बिना जनसमूह के औपचारिक उद्घाटन किया जा रहा है।

वादे हुए हवा, जनता के साथ छलावाः नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री ने पिछले राजस्थान दौरे में ईआरसीपी को राष्ट्रीय परियोजना बनाने का वादा किया था। एक साल बाद भी शिलान्यास के नाम पर दिखावा हुआ, पर केंद्र से एक रुपये की भी मदद नहीं मिली। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि यदि विकास कार्यों का श्रेय लेना सीखना हो तो प्रधानमंत्री से सीखना चाहिए। जनता अब उद्घाटन नहीं, वादों पर अमल और जमीन पर दिखने वाला विकास चाहती है। भाजपा की कथनी और करनी का अंतर प्रदेश की जनता समझ चुकी है।

हवाबाजी स्टंट बाजों कि गिरती साख साइलेंसरों पर चला रोड रोलर

दैनिक सम्राट संवाददाता

अलवर (भंवर सिंह)। अलवर शहर यातायात थानाधिकारी संजय शर्मा ने आखिरकार हवाबाजी, स्टंटबाजी करने वाले लोगों के हौसले परास्त कर ही दिए हैं जिनमें अब यातायात थानाधिकारी संजय शर्मा के नाम का खौफ दौड़ता नजर आ रहा है। यातायात थानाधिकारी संजय शर्मा व नेतृत्व टीम कार्यवाही ने स्टंट बाजी व हवा बाजी, व वाहन चलाते समय लापरवाही बरतने के दौरान होने वाले हादसों पर लगाम कस कर सबक सिखाते नजर आ रहे हैं जो हादसों के दौरान होने वाली मौतों में किसी मां का लाल खोने, किसी का भाई, किसी का बेटा खोने के दर्द को अपना समझकर रोज चालकों को हिदायतें देकर समझाइश कर चेताया जा चुका लेकिन हरकतों से बाज नहीं आने पर कार्यवाही को अंजाम दिया जा रहा है। कहावत है कि लातों के भूत बातों से नहीं मानते, जिनको सबक सिखाने कि जरूरत आ पड़ी है सड़क हादसों में खोने वाले कोई और नहीं अपने ही होते हैं, जिनकी सुरक्षा कि पालना करना हमारा कर्तव्य है।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने बालोतरा में की प्रदेश की सड़क सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा

सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने, यात्री सुरक्षा, सड़क सुरक्षा मानकों पर हो ध्यान केंद्रितः श्रीनिवास

दैनिक सम्राट संवाददाता

जयपुर/बालोतरा। राज्य में सड़क सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने व सड़क सुरक्षा की गम्भीरता को देखते हुए लगातार तीसरे दिन शुक्रवार को भी मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने, यात्री सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा सड़क सुरक्षा मानकों के प्रभावी क्रियान्वयन पर विस्तार से चर्चा की गई। उन्होंने हाल ही में दौसा जिले में हुई सड़क दुर्घटना के सम्बन्ध में खेद प्रकट करते हुए कहा कि यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को सुरक्षा मानकों की अक्षरशः पालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।। उन्होंने सड़क दुर्घटनाओं के कारणों की विस्तृत समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि दुर्घटना संभावित स्थलों की पहचान कर समयबद्ध सुधारात्मक कार्यवाही की जाए, ताकि दुर्घटनाओं में प्रभावी कमी लाई जा सके।

बैठक में अरूणाचल प्रदेश एवं नागालैण्ड में पंजीकृत होकर राजस्थान में चल रही ऐसी बसें जो निर्धारित बस बॉडी कोड के अनुरूप नहीं है, उनके बारे में दोनों राज्यों के प्रतिनिधियों को अवगत कराया गया तथा इस सम्बन्ध में इन राज्यों के मुख्य सचिवों को अर्द्धशासकीय पत्र लिखे जाने के भी निर्देश दिये गए। उन्होंने कहा कि ऐसे वाहनों का पंजीकरण एवं अन्य आवश्यक कार्यवाही सुरक्षा मानकों की पूर्ण जांच और सत्यापन के बाद ही की जाए। बिना समुचित जांच के किसी भी वाहन का पंजीकरण नहीं किया जाए तथा यात्री सुरक्षा की पूर्ण गारंटी सुनिश्चित की जाए।

मुख्य सचिव ने राष्ट्रीय राजमार्गों पर स्थापित निगरानी कैमरों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने एवं उन्हें हर समय चालू रखने के निर्देश दिए। उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारियों को दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस कॉरिडोर की 15 दिनों के भीतर सेफ्टी ऑडिट कराने के निर्देश दिए। अध्यक्ष एनएचएआई संतोष कुमार ने 15 दिवस में रोड सेफ्टी ऑडिट कर साइनेज में आवश्यक संशोधन करने का आश्वासन दिया साथ ही राजस्थान राज्य द्वारा सड़क सुरक्षा के क्षेत्र में सदैव तत्परता से सहयोग करने की प्रशंसा की। पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा ने एनएचएआई को हाइवे पर सुविधा क्षेत्रों में पुलिस पोस्ट के लिए जगह उपलब्ध करवाने के लिए नीति बनाने का सुझाव दिया।

मुख्य सचिव ने कहा कि हाई स्पीड से चलने वाले वाहनों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई कर सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जाए। ब्लैक स्पॉट्स पर पर्याप्त लाइटिंग की व्यवस्था करने, साइनेज मार्किंग व हाइवे के सुविधा क्षेत्रों में व्यवसायिक वाहन चालकों के लिए किफायती दरों पर भोजन उपलब्ध करवाने की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। बैठक में प्रत्येक टोल प्लाजा पर एम्बुलेंस, प्राथमिक चिकित्सा सुविधा, टो-मशीन तथा राज्य सरकार के समन्वय से फायर ब्रिगेड की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए, ताकि दुर्घटना की स्थिति में त्वरित राहत एवं बचाव कार्य किया जा सके। मुख्य सचिव द्वारा परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग को वाहनों पर रिफ्लेक्टिव टेप लगाने, वाहनों के लम्बित चालानों की प्रशमन राशि वसूल करने और सभी बसों के ए.आई.एस. मानको के अनुरूप होने की दुबारा जांच के लिए प्रवर्तन अभियान चलाने के निर्देश दिये गए।

उन्होंने संभागीय आयुक्तों को सभी जिला कलेक्टर्स की बैठक आयोजित कर जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समितियों की बैठकों की समीक्षा करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए ठोस एवं प्रभावी कदम उठाएं।

बैठक में महानिदेशक पुलिस राजीव कुमार शर्मा, अतिरिक्त मुख्य सचिव, सार्वजनिक निर्माण विभाग प्रवीण गुप्ता एवं प्रमुख शासन सचिव परिवहन भवानी सिंह देथा ने बालोतरा जिला मुख्यालय से, अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह भास्कर आत्माराम सावंत, शासन सचिव स्वायत शासन विभाग रवि जैन एवं परिवहन आयुक्त पुरुषोत्तम शर्मा शासन सचिवालय से तथा अध्यक्ष एन.एच.ए.आई. संतोष कुमार यादव और अरूणाचल प्रदेश एवं नागालैण्ड परिवहन विभाग के प्रतिनिधियों और सभी संभागीय आयुक्त, महानिरीक्षक रेंज पुलिस व प्रादेशिक परिवहन अधिकारियों ने वी.सी. से भाग लिया।

एसीबी टीम सरकारी क्वार्टर से दबोचा, डॉक्यूमेंट खंगाल रही

जैसलमेर में पटवारी 50 हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार

दैनिक सम्राट संवाददाता

जैसलमेर। जैसलमेर जिले में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए नाचना उपनिवेशन विभाग के पटवार हल्का अजासर के पटवारी लखवीर यादव और उसके प्राईवेट दलाल जेटूसिंह को 50 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगेहाथ गिरफ्तार किया है। शिकायत के सत्यापन के बाद एसीबी ने ट्रैप की कार्रवाई की। आरोपियों से पूछताछ जारी है। साथ ही पटवारी के सरकारी आवास पर सर्च ऑपरेशन भी चल रहा है। मामले की जांच जारी है।

पिता के खेत की तरमीन और रिकॉर्ड इंद्राज के बदले मांगी रिश्वत

एसीबी के महानिदेशक गोविन्द गुप्ता ने बताया कि परिवादी ने एसीबी जैसलमेर चौकी में उपस्थित होकर शिकायत दर्ज करवाई थी। शिकायत के अनुसार, परिवादी के पिता के खेत की पुनः तरमीन कर राजस्व रिकॉर्ड में इंद्राज करने और पैमाइश की मौका रिपोर्ट तैयार करने के बदले पटवारी लखवीर यादव अपने प्राईवेट दलाल जेटूसिंह के जरिए 50 हजार रुपए की रिश्वत मांग रहा था। रिश्वत नहीं देने पर वह लंबे समय से परिवादी को परेशान कर रहा था।

शिकायत का सत्यापन कर एसीबी ने बिछाया जाल

एसीबी ने शिकायत का गोपनीय सत्यापन कराया। रिश्वत मांगने की पुष्टि होने के बाद नारायण टोगस, उप महानिरीक्षक पुलिस, एसीबी जोधपुर के सुपरविजन में जैसलमेर चौकी के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नरपतचन्द की टीम ने ट्रैप की पूरी योजना बनाई।

दलाल से बरामद हुई 50 हजार रुपए की रिश्वत

शुक्रवार को जैसे ही परिवादी ने रिश्वत की राशि सौंपी, पहले से तैनात एसीबी टीम ने तुरंत दबिश देकर पटवारी लखवीर यादव और उसके प्राईवेट दलाल जेटूसिंह को पकड़ लिया। टीम ने दलाल जेटूसिंह के कब्जे से मौके पर ही रिश्वत के पूरे 50 हजार रुपए बरामद कर लिए।

सरकारी आवास पर सर्च ऑपरेशन जारी

गिरफ्तारी के तुरंत बाद एसीबी टीम पटवारी लखवीर यादव को साथ लेकर उसके सरकारी आवास पहुंची। खबर लिखे जाने तक वहां सर्च ऑपरेशन जारी था। टीम अलमारियों, बैंक खातों, जमीनों के डाक्यूमेंट्स और अन्य संभावित संपत्तियों की जांच कर रही है।

एसीबी मुख्यालय की निगरानी में कार्रवाई

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (एसीबी जयपुर) स्मिता श्रीवास्तव और महानिरीक्षक एस. परिमला के सुपरविजन में आरोपियों से पूछताछ और आगे की कार्रवाई की जा रही है। एसीबी इस मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर आगे का अनुसंधान करेगी।

मुर्गी फार्म की आड़ में भारत में फंडिंग का काम संभाल रहा था आरोपी

फंडिंग एजेंट आईएसआई से लेता था कमीशन, कई सालों से था सम्पर्क में

दैनिक सम्राट संवाददाता

जयपुर। राजस्थान पुलिस की सीआईडी (इंटेलिजेंस) की पूछताछ में पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी (आईएसआई) के फंडिंग एजेंट रफीक चांद शेख ने कई खुलासे किए हैं। आरोपी पिछले 4 साल से पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी से जुड़ा हुआ था और मुर्गी फार्म की आड़ में भारत में फंडिंग का काम संभाल रहा था। आईएसआई उसे इस काम के बदले 3 से 5 प्रतिशत तक का मोटा कमीशन देती थी। फिलहाल सीआईडी आरोपी से पूछताछ में जुटी है, जिससे जल्द ही देश में छिपे अन्य पाकिस्तानी जासूसों की गिरफ्तारी हो सकती है। इंटेलिजेंस की टीम आरोपी को लेकर औरंगाबाद (महाराष्ट्र) में उसके ठिकानों की जांच में जुटी है।

3 से 5 प्रतिशत कमीशन पर करता था काम

सीआईडी (इंटेलिजेंस) ने महाराष्ट्र के औरंगाबाद निवासी रफीक चांद शेख (41) को 30 जून को गिरफ्तार किया था। आरोपी रफीक

पिछले चार साल से पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी के लिए भारत में फंडिंग का काम संभाल रहा था। आईएसआई द्वारा भारतीय जासूसों को दी जाने वाली रकम रफीक के जरिए ही पहुंचाई जाती थी।

लोगों और सुरक्षा एजेंसियों के शक से बचने के लिए उसने दिखावे के लिए एक मुर्गी फार्म खोल रखा था। इसी पोल्ट्री फार्म की आड़ में वह आईएसआई के इशारे पर भारत में सक्रिय जासूसों को जासूसी के बदले पैसे बांटता था। इस काम के एवज में आईएसआई उसे 3 से 5 प्रतिशत तक का मोटा कमीशन देती थी।

महज 5वीं पास है आरोपी

जांच में सामने आया कि महज 5वीं पास रफीक बेहद शातिर तरीके से काम कर रहा था। वह आईएसआई के तीन संदिग्ध नंबरों के लगातार संपर्क में था, जिनमें से एक नंबर पाकिस्तान का और दो अन्य देशों के हैं। आईएसआई के इस फंडिंग एजेंट के पास से 7-8 बैंक खाते मिले हैं। इन्हीं बैंक खातों का इस्तेमाल वह जासूसी करने वाले एजेंटों के खातों में पैसे ट्रांसफर करने के लिए करता था।

बिटकॉइन के जरिए आती थी फंडिंग

सीआईडी ने रफीक के सभी सक्रिय बैंक खातों को सीज करवा दिया है। संदिग्ध लेन-देन के कारण उसके कई बैंक खाते पहले भी बंद हो चुके थे। रफीक के खातों में ऑनलाइन ट्रेडिंग और बिटकॉइन (क्रिप्टोकरेंसी) के जरिए पैसा भेजा जा रहा था।

जब उसके खुद के खाते बंद हो गए, तो उसने अपने रिश्तेदारों के नाम पर बैंक खाते खुलवाकर उनका इस्तेमाल करना शुरू कर दिया था। सीआईडी की पूछताछ में कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं, जिसके आधार पर भारत में छिपे अन्य पाकिस्तानी जासूसों की जल्द गिरफ्तारी होने की पूरी संभावना है।

16वें वित्त आयोग की अनुशंसाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर नई दिल्ली में राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन

सरकार पंचायती राज संस्थाओं को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्धः दिलावर

दैनिक सम्राट संवाददाता

जयपुर। नई दिल्ली के भारत मंडपम में शुक्रवार को 16वें वित्त आयोग की अनुशंसाओं पर राज्यों के पंचायती राज मंत्रियों की राष्ट्रीय कार्यशाला में पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने राज्य सरकार का पक्ष रखा। दिलावर ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार पंचायती राज संस्थाओं को वित्तीय एवं प्रशासनिक रूप से अधिक सशक्त, पारदर्शी और जवाबदेह बनाने की दिशा में निरंतर

कार्य कर रही है। ग्रामीण विकास की गति को तेज करने तथा स्थानीय स्वशासन संस्थाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए वित्तीय विकेंद्रीकरण अत्यंत आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि 16वें वित्त आयोग की अनुशंसाओं का प्रभावी क्रियान्वयन ग्रामीण स्थानीय निकायों की कार्यक्षमता बढ़ाने के साथ-साथ आधारभूत सुविधाओं के विकास और जनकल्याणकारी योजनाओं के बेहतर संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। राजस्थान सरकार इन अनुशंसाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेगी।

दिलावर ने कहा कि सहकारी संघवाद की भावना को सशक्त बनाने में इस प्रकार की राष्ट्रीय कार्यशालाएं महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। राज्यों के बीच अनुभवों, नवाचारों और श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों का आदान-प्रदान स्थानीय शासन व्यवस्था को और अधिक प्रभावी तथा जनोन्मुखी बनाने में सहायक सिद्ध होगा।

कार्यशाला में विभिन्न राज्यों के पंचायती राज मंत्री, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी तथा पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास से जुड़े विशेषज्ञों ने भाग लेकर 16वें वित्त आयोग की अनुशंसाओं के प्रभावी क्रियान्वयन सहित विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श किया।

प्रदेशभर में 16 जुलाई तक चलेगा विशेष चेकिंग अभियान; बिना हेलमेट, ओवरस्पीडिंग, अवैध पार्किंग और लेन तोड़ने वालों पर खाकी सख्त

पहले ही दिन 18,477 चालकों पर कार्रवाई, पुलिस का अभियान शुरू

दैनिक सम्राट संवाददाता

जयपुर। सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने, यातायात व्यवस्था को सुरक्षित एवं अनुशासित बनाने तथा आमजन में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से राजस्थान पुलिस द्वारा राज्यव्यापी विशेष प्रवर्तन अभियान प्रारंभ किया गया है। 2 जुलाई से 16 जुलाई 2026 तक चलने वाले इस अभियान के तहत बिना हेलमेट वाहन चलाने, तेज गति से वाहन चलाने, राष्ट्रीय एवं राज्य राजमार्गों सहित अन्य सड़कों पर अवैध पार्किंग करने तथा राष्ट्रीय राजमार्गों पर लेन अनुशासन का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध सघन कार्रवाई की जा रही है।

महानिदेशक पुलिस राजीव कुमार शर्मा के निर्देशानुसार तथा महानिदेशक पुलिस प्रशिक्षण एवं यातायात अनिल पालिवाल के पर्यवेक्षण में राज्य के सभी जिला पुलिस अधीक्षकों एवं पुलिस उपायुक्तों द्वारा यह विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है।

अभियान के दौरान मोटर वाहन अधिनियम के प्रावधानों के अनुरूप प्रभावी प्रवर्तन कार्रवाई के साथ-साथ सड़क सुरक्षा के प्रति जनजागरूकता पर भी विशेष बल दिया जा रहा है।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (यातायात) डॉ. बी.एल. मीणा ने बताया कि अभियान के तहत बिना हेलमेट नहीं सफर, चालक एवं सहयात्री दोनों के लिए हेलमेट अनिवार्य तथा आईएसआई मार्क हेलमेट ही जीवन रक्षा का साधन जैसे संदेशों का व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार किया जा रहा है, ताकि अधिकाधिक लोग यातायात नियमों का पालन करें और सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके।

विशेष अभियान के प्रथम दिन 2 जुलाई को राज्यभर में कुल 18,477 प्रवर्तन कार्रवाइयां की गईं। इनमें बिना हेलमेट दुपहिया वाहन चलाने वाले 7,104 चालकों, तेज गति से वाहन चलाने वाले 5,133 चालकों, राष्ट्रीय एवं राज्य राजमार्गों तथा अन्य सड़कों पर अवैध पार्किंग करने वाले 3,082 वाहन चालकों तथा राष्ट्रीय राजमार्ग (6-लेन/एक्सप्रेस-वे) पर लेन अनुशासन का उल्लंघन करने वाले 3,158 वाहन चालकों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की गई।

राजस्थान पुलिस ने आमजन से अपील की है कि स्वयं तथा अपने परिवार की सुरक्षा के लिए यातायात नियमों का पालन करें, दोपहिया वाहन चलाते समय चालक एवं सहयात्री दोनों हेलमेट अवश्य पहनें, निर्धारित गति सीमा का पालन करें।

स्वत्वाधिकारी, स्वामी, प्रकाशक उमेश कुमार शर्मा के लिए मुद्रक ताराचंद कुमावत महारानी प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 17, मां वैष्णो देवी नगर, कालवाड़ रोड, जयपुर से मुद्रित व 103, लक्ष्मीनगर, मंगोड़ी वालों की बगीची, ब्रह्मपुरी जयपुर, राज. से प्रकाशित।
सम्पादकः उमेश कुमार शर्मा **कार्यालयः** दैनिक सम्राट, आनंद सिटी गेट, तिलक हॉस्पिटल के पास, आगरा रोड, जयपुर। **मो.- 9950776350** (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर होगा) आर.एन.आई नं.- RJHIN/25/A1928

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री

राजस्थान सरकार

विकास के पथ पर
गतिमान राजस्थान

माननीय प्रधानमंत्री

श्री नरेन्द्र मोदी

के कर कमलों द्वारा

1 लाख 5 हजार करोड़ रुपए के कार्यों का शिलान्यास/ उद्घाटन/ लोकार्पण

राजस्थान रिफाइनरी

- **राजस्थान रिफाइनरी का राष्ट्र को समर्पण**
- 79 हजार करोड़ से अधिक की लागत से तैयार ग्रीनफील्ड एकीकृत रिफाइनरी
- देश का पहला एकीकृत रिफाइनरी सह पेट्रोकेमिकल परिसर
- रिफाइनरी की क्षमता 9 एमएमटीपीए एवं 29 प्रसंस्करण इकाइयाँ
- 35 हजार से अधिक प्रत्यक्ष रोजगार एवं एक लाख से अधिक अप्रत्यक्ष रोजगार

यमुना जल परियोजना

- **यमुना जल MoA आभार**
- 34,102 करोड़ रुपए की महत्वाकांक्षी परियोजना
- राजस्थान को यमुना जल मिलाने की 30 वर्षों की मांग पूरी
- शेखावाटी क्षेत्र के सीकर, चूरू, झुंझुनूं एवं अन्य क्षेत्रों को मिलेगा भरपूर पानी
- 75 लाख आबादी को लाभ

जयपुर मेट्रो फेज-2

- **13 हजार करोड़ की लागत के जयपुर मेट्रो फेज-2 का शिलान्यास**
- 41 किलोमीटर लंबा कॉरिडोर
- प्रहलादपुरा से टोडी मोड़ तक कुल 36 स्टेशन
- जयपुर के सीतापुरा से लेकर वीकेआईए तक यातायात सुगम
- शहरी विकास और समय की बचत

नियुक्ति पत्र वितरण

- **50 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी का नियुक्ति पत्र वितरण**
- सरकारी पदों पर पारदर्शी भर्तियाँ
- 1.25 लाख से अधिक नियुक्तियाँ
- 1 लाख 45 हजार भर्तियाँ प्रक्रियाधीन
- 1 लाख 25 हजार सरकारी नौकरियों का वार्षिक कलैण्डर जारी

ऊर्जा, सड़क, नागरिक उड्डयन एवं रेलवे की विकास परियोजनाएं | 8 कार्य | 13 हजार 923 करोड़ रुपए

शनिवार, 4 जुलाई, 2026 | प्रातः 9:30 बजे | पचपदरा, ज़िला बालोतरा, राजस्थान

राजस्थान संवाद

गरिमामयी उपस्थिति

श्री हरिभाऊ किसनराव बागडे
राज्यपाल, राजस्थान

श्री भजनलाल शर्मा
मुख्यमंत्री, राजस्थान

श्री हरदीप सिंह पुरी
केंद्रीय मंत्री, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय

श्रीमती दिया कुमारी
उप मुख्यमंत्री, राजस्थान

डॉ. प्रेम चंद बैरवा
उप मुख्यमंत्री, राजस्थान

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान

DD NEWS डीडी न्यूज पर कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखें